आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

दैनिक अवन्तिका

नं.1 क्षेत्रीय अख़बार

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 206 | इंदौर, रविवार 22 फरवरी, 2026 | फाल्गुन शुक्ल 5 संवत् 2082 | पृष्ठ-12 मूल्य-3.00 | www.awantika.com

देश विदेश

मायावती-अखिलेश बोले- एआई समिट में कांग्रेस का प्रदर्शन गलत

नई दिल्ली/मुंबई/गुजरात। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और बसपा चीफ मायावती ने दिल्ली के भारत मंडपम में एआई समिट में शुक्रवार को कांग्रेस के प्रदर्शन को गलत बताया है। अखिलेश ने कहा, जब दुनियाभर से डेलीगेट्स आये हो तो ऐसा हंगामा नहीं करना चाहिए। सरकार से लड़ाई हमारा इंटर्नल मामला है, फॉरेन डेलीगेट्स के सामने हमारे देश का अपमान होता है। मायावती ने एक्स पर लिखा- कांग्रेस का प्रदर्शन निन्दनीय है। अगर यह सम्मेलन अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का नहीं होता तो अलग बात थी, लेकिन एआई समिट के दौरान ऐसा व्यवहार करना चिन्ता की बात है। इधर, कांग्रेस के एआई समिट में हंगामा करने के विरोध में भाजपा ने दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, तेलंगाना और जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शन किया।

अमेरिकी टैरिफ डील, राहुल बोले- मोदी ने विश्वासघात किया

नई दिल्ली। अमेरिकी टैरिफ डील पर विपक्ष फिर मोदी सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को पीएम मोदी पर समझौता करने का आरोप लगाया। कहा कि उनका विश्वासघात अब उजागर हो चुका है। उन्होंने दावा किया कि पीएम इस व्यापार समझौते में फिर से आत्मसमर्पण कर देंगे। उधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि टैरिफ पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार किए बिना मोदी सरकार इतनी जल्दबाजी में ट्रैप डील में शामिल क्यों हुई, जिसने भारत से भारी रियायतें छीन लीं। बता दें अमेरिका ने 2 फरवरी को भारत पर रेसिप्रोकल टैरिफ घटाकर 18% किया था। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने 20 फरवरी को बताया कि अमेरिका के साथ 'अंतरिम व्यापार समझौता' फरवरी के अंत तक फाइनल हो जाएगा।

काबिल 2 की स्क्रिप्ट तैयार

ऋतिक रोशन की हरी झंडी मिलते ही शुरू होगी शूटिंग

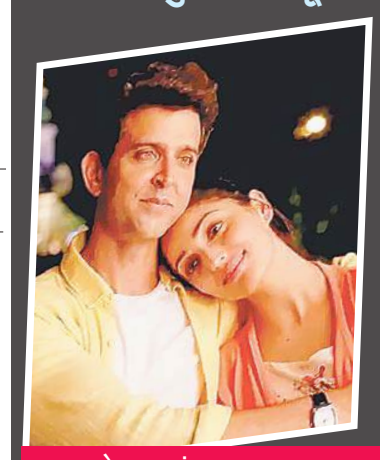

डायरेक्टर संजय गुप्ता का दावा- सीक्वल होगा पहले से ज्यादा खतरनाक

मुंबई। बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर संजय गुप्ता ने फिल्म काबिल 2 की स्क्रिप्ट तैयार होने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। यह घोषणा हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान की गई, जिसमें उन्होंने कहा कि अगर ऋतिक रोशन और उनकी फैमिली से ग्रीन सिग्नल मिलता है तो वे फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू कर देंगे। संजय गुप्ता ने कहा कि एक निर्देशक और लेखक के रूप में वे पूरी तरह से तैयार हैं और उनके पास काबिल 2 की स्क्रिप्ट पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने बताया कि अगर कोई पहले पार्ट का सीक्वल बनाता है तो उसे पहले के मुकाबले बेहतर और खतरनाक होना चाहिए ताकि दर्शकों को एक नई और रोमांचक कहानी मिल सके। 2017 में रिलीज हुई काबिल में ऋतिक रोशन ने एक अंधे व्यक्ति रोहन भटनागर का किरदार निभाया था, जो अपनी पत्नी के साथ हुए अन्याय के बाद बदला लेने के सफर पर निकलता है। उस समय फिल्म को आलोचक और दर्शकों दोनों का समर्थन मिला था और इसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ क्लब में जगह बनाई थी। फिल्म में यामी गौतम ने मुख्य भूमिका निभाई थी, जबकि रोनित रॉय एवं रोहित रॉय जैसे कलाकारों ने महत्वपूर्ण किरदार निभाए थे। काबिल की पटकथा, गाने, एक्शन और भावनात्मक दृश्यों को खास तौर पर सराहा गया था, जिससे फिल्म एक यादगार अनुभूति बन गई थी।

मोबाइल की बैटरी में ब्लास्ट होने से दो भाई घायल

रीवा। रीवा जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र में मोबाइल की पुरानी बैटरी ब्लास्ट होने से दो मासूम भाई घायल हो गए। पढ़ाई के दौरान हुए इस धमाके ने पूरे गांव को दहला दिया, बड़े बेटे की उंगलियां उड़ गईं और सर्जरी की नौबत आ गई। हादसे के समय दोनों भाई घर के कमरे में बैठकर पढ़ाई कर रहे थे। बड़े बेटे के हाथ की उंगलियों की सर्जरी करने के लिये जबलपुर रेफर किया गया है। धमाका इतना तेज था कि आसपास के लोग भी घबरा गए। विस्फोट में बड़े बेटे का अंगूठा और चार उंगलियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं, जबकि छोटा बेटा भी घायल हुआ। घटना के बाद दोनों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बस्तर में नक्सलियों पर बड़ा प्रहार, 173 स्मारक ध्वस्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ का बस्तर इलाका कभी नक्सलियों का मजबूत गढ़ माना जाता था। घने जंगल, दूर-दराज के गांव और सुरक्षा बलों की सीमित पहुंच इन सबके बीच माओवादी संगठन ने वर्षों तक यहां अपना असर बनाए रखा। इस दौरान नक्सलियों ने अपने नेताओं और मारे गए साथियों की याद में कई स्मारक बनवाए। ये स्मारक उनके प्रभाव और दबदबे का प्रतीक बन गए थे। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा बलों ने बस्तर में बड़े पैमाने पर अभियान चलाए हैं। नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई के साथ-साथ उनके बनाए गए स्मारकों को भी निशाना बनाया गया है। आंकड़े बताते हैं कि 2018 से अब तक करीब 173 नक्सली स्मारक ध्वस्त किए जा चुके हैं।

तीन राज्यों में एसआईआर की फाइनल लिस्ट प्रकाशित, गोवा और अंडमान-निकोबार की लिस्ट भी आ सकती है

राजस्थान में 5.15 करोड़, छत्तीसगढ़ में 1.87 करोड़ वोटर रजिस्टर्ड

एजेंसी ▸▸ जयपुर/रायपुर

देश के 12 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव आयोग के वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का दूसरा फेज अपने अंतिम चरण में है। शनिवार को राजस्थान, छत्तीसगढ़ और केरल की फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश हुई। इसके बाद राजस्थान में कुल 5.15 करोड़, छत्तीसगढ़ में 1.87 करोड़ और केरल में 2.69 करोड़ वोटर दर्ज हैं।

आज गोवा और अंडमान-निकोबार की लिस्ट भी आ सकती है। अब तक कुल 6 राज्यों-यूटी की फाइनल लिस्ट आ चुकी है। इससे पहले लक्षद्वीप, पुडुचेरी और गुजरात की अंतिम मतदाता सूची जारी हुई थी। 23 फरवरी को तमिलनाडु और मध्य प्रदेश की लिस्ट आएगी।

देश में एसआईआर प्रक्रिया 27 अक्टूबर 2025 से शुरू हुई थी। 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी तक नाम जोड़ने, हटाने और सुधार के लिए आवेदन लिए गए, जिनका निपटारा करने के बाद फाइनल वोटर लिस्ट प्रकाशित की जा रही है। 12 राज्यों-यूटी में वोटर लिस्ट के एसआईआर में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं।

1 हफ्ते में 6 राज्यों की फाइनल लिस्ट पब्लिश

21 फरवरी- एसआईआर की फाइनल लिस्ट जारी होने के बाद राजस्थान में 5,15,19,929 वोटर हैं। राज्य में 31,36,286 वोटर के नाम कट गए हैं। छत्तीसगढ़ में कुल 1,87,30,914 वोटर दर्ज हैं। ड्राफ्ट लिस्ट के मुकाबले फाइनल लिस्ट में 2,34,994 नए वोटर बढ़े हैं। केरल में कुल 2,69,53,644 वोटर्स हैं, जबकि पिछले साल अक्टूबर में एसआईआर शुरू होने से पहले 2,78,50,855 वोटर्स थे।

17 फरवरी- गुजरात की फाइनल वोटर लिस्ट के बाद राज्य में कुल 4,40,30,725 वोटर दर्ज हैं।

14 फरवरी- केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में 9,44,211 मतदाता और लक्षद्वीप में कुल 57,607 मतदाता रजिस्टर्ड हैं।

10 फरवरी: असम में फाइनल लिस्ट प्रकाशित
ईसी ने असम में हुए स्पेशल रिवीजन 2026 के तहत फाइनल वोटर लिस्ट जारी की थी। ईसी के मुताबिक, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट की तुलना में 2.43 लाख से ज्यादा नाम हटाए गए हैं। अब राज्य में कुल 2,49,58,139 वोटर्स रजिस्टर्ड हैं।
ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में मतदाताओं की संख्या 2,52,01,624 थी। स्पेशल रिवीजन प्रक्रिया के बाद लिस्ट में 2,43,485 नाम हटाए गए हैं। अब फाइनल लिस्ट में 1,24,82,213 पुरुष, 1,24,75,583 महिलाएं और 343 थर्ड-जेंडर शामिल हैं।

एसआईआर के बारे में जानें

यह चुनाव आयोग की एक प्रक्रिया है। इसमें वोटर लिस्ट अपडेट की जाती है। इसमें 18 साल से ज्यादा के नए वोटर्स को जोड़ा जाता है। ऐसे लोग जिनकी मौत हो चुकी है। जो शिफ्ट हो चुके हैं उनके नाम हटाए जाते हैं। वोटर लिस्ट में नाम, पते में हुई गलतियों को भी ठीक किया जाता है। बीएलओ घर-घर जाकर खुद फॉर्म भरवाते हैं। 1951 से लेकर 2004 तक का एसआईआर हो गया है, लेकिन पिछले 21 साल से बाकी है। इस लंबे दौर में मतदाता सूची में कई परिवर्तन जरूरी हैं। जैसे लोगों का माइग्रेशन, दो जगह वोटर लिस्ट में नाम होना। डेथ के बाद भी नाम रहना। विदेशी नागरिकों का नाम सूची में आ जाने पर हटाना। कोई भी योग्य वोटर लिस्ट में न छूटे और कोई भी अयोग्य मतदाता सूची में शामिल न हो। पहले फेज में बिहार में हुआ। फाइनल लिस्ट में 7.42 करोड़ वोटर्स हैं।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प के टैरिफ रद्द किए

भारत पर 18% टैरिफ भी खत्म ट्रम्प ने 10% नया टैरिफ लगाया

एजेंसी ▸▸ वाशिंगटन

अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दुनियाभर के देशों पर लगाए गए टैरिफ को रद्द कर दिया है। कोर्ट के इस फैसले से भारत पर लगा 18% रेसिप्रोकल टैरिफ भी अब अवैध घोषित हो गया है।

दरअसल, ट्रम्प ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए आईईईपीए कानून का इस्तेमाल कर अप्रैल 2025 में दुनिया के करीब 100 देशों से पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि ट्रम्प को आईईईपीए कानून का इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं है। यह अधिकार राष्ट्रपति को नहीं, सिर्फ संसद को है।

कोर्ट के इस फैसले के 3 घंटे के बाद ट्रम्प ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने दुनियाभर के देशों पर नए कानून (सेक्शन-122) का इस्तेमाल कर 10% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है।

24 फरवरी से लागू होगा 10% टैरिफ

- ट्रम्प ने एक आदेश पर हस्ताक्षर कर दुनियाभर के देशों पर 10% का टैरिफ लगा दिया है। यह टैरिफ 24 फरवरी से लागू हो जाएगा।
- बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया ब्रिटेन, भारत और यूरोपीय यूनियन समेत अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करने वाले देशों को अब 10% टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। यानी कि भारत पर अब टैरिफ 18% की जगह घटकर 10% रह जाएगा।
- उन्होंने टैरिफ को अवैध बताने वाले जजों की भी आलोचना की। ट्रम्प ने कहा- मुझे कोर्ट के कुछ जजों पर शर्म आ रही है। वे देश के लिए कलंक हैं, उनमें हमारे देश के लिए सही काम करने की हिम्मत नहीं है। भारत के साथ ट्रेड डील पर ट्रम्प ने कहा कि, इस डील में कोई बदलाव नहीं होगा। पीएम मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं।

- सुप्रीम कोर्ट के रद्द किए गए टैरिफ लागू करने के लिए मुझे संसद की जरूरत नहीं है। मैं इन्हें राष्ट्रपति के मिले अधिकारों के जरिए लागू कर सकता हूं।
- सुप्रीम कोर्ट में रिफंड को लेकर कोई साफ बात नहीं कही गई है। इसलिए अमेरिकी सरकार किसी भी कंपनी को टैरिफ के रूप में वसूला गया पैसा वापस नहीं करेगी।
- जज ने बहुत ही घटिया फैसला सुनाया है। मुझे लगता है कि अब इस मामले पर अगले दो साल तक कोर्ट में मुकदमा चलेगा। हम अगले 5 साल तक कोर्ट में ही रहेंगे।
- सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर विदेशी ताकतों का असर पड़ा है। अगर टैरिफ नहीं लगाए गए, तो विदेशी देश कुछ उद्योगों में अमेरिका से आगे निकलते रहेंगे।
- टैरिफ लगाने का यह कदम कई साल पहले के राष्ट्रपतियों को उठा लेना चाहिए था। उन्होंने हमारे देश को कमजोर होने दिया और दूसरे देशों को फायदा उठाने दिया।

इतनी बड़ी आबादी है कि रोज नॉर्मल डेथ भी हो रही थी

पीएम किसका कराते, दो की जगह चार नहीं हम पांच लाख देने को तैयार : मुख्यमंत्री

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

विधानसभा बजट सत्र में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विपक्ष को जवाब देते हुए कहा कि माननीय अध्यक्ष जी यह ऐसा विषय है पर नेता प्रतिपक्ष जी को सीताशरण जी प्रहलाद पटेल ने बताया कि वैसे इस विषय पर चर्चा नहीं कराई जानी थी। लेकिन यह बात भी सही है कि हमने तत्परतापूर्वक एक ऐसे विषय पर जिस विषय के बारे में प्रश्न आया है, हमने हर तरह से प्रशासनिक दृष्टि से तत्परतापूर्वक संवेदनशील तरीके उसका समाधान करने का भी प्रयास किया। चूंकि यह ऐसा घटना क्रम था जिस घटना क्रम में पीएम पर प्रश्न था कि पीएम किसका कराएं और इतनी बड़ी आबादी है कि रोज नॉर्मल डेथ भी हो रही थी। ऐसे में आपने कहा दो की जगह चार लाख दो, हम पांच लाख देने को तैयार हैं, पैसे का प्रश्न नहीं है।

188 करोड़ के बैंक घोटाले में

उद्योगपति शाहरा की पत्नी की 5.13 करोड़ रुपए की जमीन अटैच

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

रुचि ग्लोबल लिमिटेड से जुड़े 188 करोड़ रुपए के बैंक घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नीता शाहरा की 5.13 करोड़ रुपए मूल्य की जमीन अटैच कर दी है। कंपनी का नाम अब एग्रोटेड इंटरप्राइजेस लिमिटेड हो गया है।

नीता शाहरा, कंपनी से जुड़े उद्योगपति उमेश शाहरा की पत्नी हैं। जांच में सामने आया कि बैंक से धोखाधड़ी कर प्राप्त रकम का इस्तेमाल संपत्तियां खरीदने में किया गया था, इसी आधार पर पीएमएलए के तहत यह कार्रवाई की गई। यह केस भोपाल में सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर के बाद ईडी ने अपने

हाथ में लिया था। बैंकों के कंसोर्टियम, जिसकी अगुवाई बैंक ऑफ बड़ौदा कर रहा था, ने कंपनी पर 188.35 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। कंपनी ने क्रेडिट सुविधाएं और लेटर ऑफ क्रेडिट हासिल करने के लिए फर्जी और कूटरचित दस्तावेज लगाए और गलत व्यापारिक लेन-देन दिखाकर लोन स्वीकृत कराया।

प्रदेश में अप्रैल से महंगी होगी शराब

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

एमपी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नई आबकारी नीति को कैबिनेट की मंजूरी के बाद गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। यह नीति शराब की बिक्री और वितरण व्यवस्था में बड़े बदलाव लाएगी। सरकार का दावा है कि नई व्यवस्था सामाजिक संवेदनशीलता, पारदर्शिता और राजस्व वृद्धि के बीच संतुलन बनाएगी। माना जा रहा है कि 1 अप्रैल से शराब की कीमतों में भी वृद्धि हो जायेगी। नीति के तहत प्रदेश में कोई नई मदिरा दुकान नहीं खोली जाएगी। साथ ही मौजूदा 3553 दुकानों के नवीनीकरण की पुरानी व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है।

देश में बड़े आतंकी हमले का हाई अलर्ट

लाल किला और प्रसिद्ध मंदिर लश्कर के निशाने पर, खुफिया एजेंसियां सतर्क

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत को एक बार फिर दहलाने के लिए सरहद पार से नापाक साजिशें रची जा रही हैं। देश की राजधानी समेत कई प्रमुख धार्मिक नगरियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने एक बेहद गंभीर अलर्ट जारी किया है। खुफिया विभागों को मिले पुख्ता इनपुट्स इशारा कर रहे हैं कि पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा खून-खराबे की एक बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। इस बार आतंकियों के सीधे निशाने पर देश की ऐतिहासिक धरोहरों के साथ-साथ हिंदुओं के प्रमुख आस्था केंद्र हैं, ताकि देश का माहौल बिगाड़ा जा सके।

धार्मिक स्थलों पर मंडरा रहा खतरा

खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस आतंकी संगठन का मुख्य उद्देश्य भीड़भाड़ वाले इलाकों और पवित्र धार्मिक स्थलों को निशाना बनाकर देश के सांप्रदायिक सौहार्द को गहरी चोट पहुंचाना है। आतंकवादी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के आसपास के क्षेत्रों और घनी आबादी वाले चांदनी चौक इलाके में मौजूद मंदिरों को इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के जरिए निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। राजधानी के अलावा उत्तर प्रदेश के अयोध्या, वाराणसी और मथुरा जैसे शहरों के प्रसिद्ध और प्राचीन मंदिर भी आतंकियों के हिट लिस्ट में शामिल बताए जा रहे हैं, जिसके बाद इन सभी जगहों की सुरक्षा चाक-चौबंद कर दी गई है।

अलर्ट में इस बात का भी सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि भारत में दहशत फैलाने की यह साजिश असल में बदले की आग का नतीजा है। बताया जा रहा है कि बीते 6 फरवरी को पाकिस्तान के इस्लामाबाद स्थित एक मस्जिद में हुए जोरदार धमाके के बाद से ही लश्कर के ऑपरेटिव पूरी तरह से बौखलाए हुए हैं। इसी घटना का बदला लेने के लिए वे भारत के किसी बड़े और संवेदनशील हिस्से में बड़ा आतंकवादी हमला करने की योजना बना रहे हैं, ताकि आम जनता के बीच खौफ का माहौल पैदा किया जा सके।

गुजरात : डिवाइडर से टकराकर कार के उड़े परखच्चे

एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

एजेंसी ▸▸ महेसाणा

गुजरात के मेहसाणा जिले में भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, एक परिवार राजस्थान में शादी में शामिल होने के बाद ईको कार से अहमदाबाद के रामोल वापस लौट रहा था। इस दौरान ऊंझा के उनावा के पास कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसा होते ही मौके पर ही चीख-पुकार मच गई और कार के परखच्चे उड़ गए। हादसा होते ही मौके पर भीड़ लग गई। आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और बचाव कार्य शुरू किया।

प्रदेश के भिंड में बस और कार की भीषण टक्कर से 5 की मौत, 7 गंभीर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भिंड

प्रदेश के भिंड जिले में ग्वालियर हाईवे से गुजरने वाले नेशनल हाईवे-719 पर शुक्रवार व शनिवार की दरमियानी देर रात बरात से ग्वालियर लौट रही बस ने कार को मारी टक्कर दी। जिससे हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 7 लोग घायल हैं। सूचना मिलते ही गोहद चौराहा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत-बचाव कार्य शुरू किया। घायलों में से 2 की बेहद गंभीर हालत में ग्वालियर रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि, एक तेज रफ्तार बस भिंड में बारात छोड़कर वापस ग्वालियर की ओर जा रही थी। इसी दौरान जिले के छीमका

के पास उसने यात्रियों से भरी एक ईको कार को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद हाईवे पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा, जिसे बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया। इधर, पुलिस ने सभी शवों का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया है।

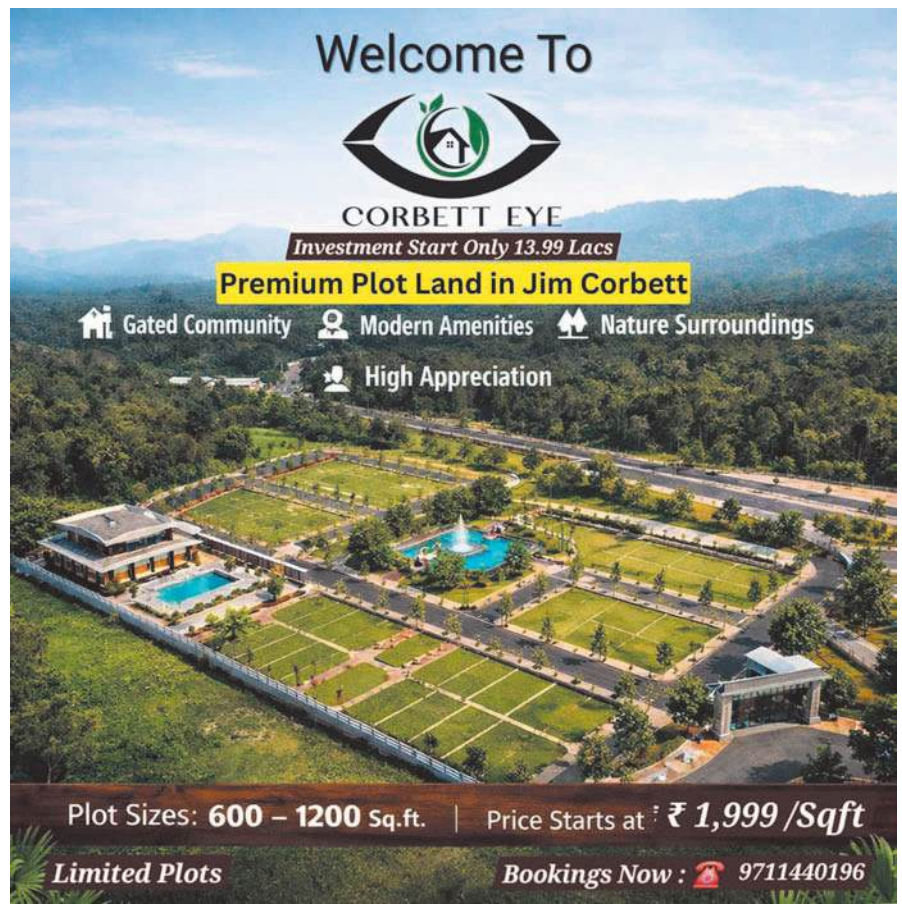

महाकाल श्रृंगार

ज्योर्तिलिंग महाकालेश्वर का शुक्रवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

नाम ही 'प्रतिष्ठा' का, बस बाकि तो...

कहावत है उंची दुकान फीका पकवान,इसी तरह से ही गुलाब में ही कांटे जैसे हालात भी होते हैं। कहते हैं उंटनी का दूध पानी वाले बर्तन में ही निकाला जाता है अन्यथा तत्काल कीडे पडने की संभावना प्रबल होती है। ऐसे ही कुछ नाम ही 'प्रतिष्ठा' के बचे हैं बाकि वहां जो कुछ चल रहा है उसकी चल रही हवा को जानकर तो यही कहा जाएगा कि नाम ही 'प्रतिष्ठा' का है बाकि यहां आने वाले बच्चे बहुत कुछ बयान कर रहे हैं। हाल ही में एक 'सातवीं'वाले ने यहां वो हरकत की है जिसकी जानकारी 'प्रतिष्ठा' में 'जद्दोजहद ' तक भी पहुंची और पूरे मामले को ऐसे दबाया जैसे रेगीस्तान में उंट के टाप को हवा छुपा देती है। एक आध नहीं आधा दर्जन से ज्यादा बेचारे इस उम्र में ही बहुत कुछ खो चुके। आए थे 'प्रतिष्ठा' में अब वो भी नहीं बची है। वेतन नहीं मिलने के कारण एक'प्रतिष्ठा' महाशय की हृदय की धमनी में सारंगी बज गई और वे पुष्प में पल्लवित होकर लाभ ले रहे हैं।'प्रतिष्ठा' में उथलपुथल मची हुई है। अब मूल में इसके कौन किसे प्रश्रय दे रहा है यह अंदर की खलबली है। 'प्रतिष्ठा' में किसी भी दिन उग्रवाद और नक्सवाद की स्थिति उत्पन्न होने की जानकारी भी हवा के साथ सामने आ रही है। पूर्व में भी'प्रतिष्ठा' से जुडे शिप्रा किनारे के एक 'प्रतिष्ठा' के घाट के पास के जगह पर एक दर्जन से ज्यादा कम उम्रों ने इसी तरह की शिकायत की थी । जाकर 'प्रतिष्ठा' के बाहर बैठ गए थे। वर्दी ने जांच की थी। पूरा मामला दबकर रह गया था अबकी बार भी ऐसा ही कुछ बम विस्फोटी आयटम 'प्रतिष्ठा' देने वाला है। खुसूर-फुसूर है कि कलयुग में कैसे झकैसे लोग होते हैं। सिर्फ नाम के ही 'प्रतिष्ठा' होते हैं इनके काम की अगर पूरी जानकारी सामने आ जाए तो शीखा वाले तो इन्हें कभी नहीं बख्शोंगे।

ट्रैडिंग

रहवासियों को दर्द सताने लगा, चौड़ीकरण के मामलों में रार की स्थिति सामने आने लगी, गाड़ी अड्डा चौराहा-रणकेश्वर महादेव मार्ग चौड़ीकरण के प्रभावित विरोध में उतरे

मनमानी की नपती, रहवासियों की आपत्ति

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

नगर निगम का चौड़ीकरण नागरिकों को सताने लगा है। चौड़ीकरण में अब तक जो नागरिक स्वैच्छा से सामने आ रहे थे अब विरोध जताने लगे हैं। इसके पीछे कारण लंबे समय से निढाल स्थिति बनना है। चौड़ीकरण से प्रभावित दुकानदारों,रहवासियों को नुकसान सहना पड रहा है। गेल इंडिया से नीलगंगा मार्ग चौड़ीकरण में नपती पर नागरिकों की आपत्ति है। मनमानी की नपती पर यह आपत्ति ली गई है। सड़क के सेंटर से दोनों और 9-9 मीटर होना चाहिए,जबकि कम ज्यादा हो रही है।

सिंहस्थ 2028 के लिए शहर में चौड़ीकरण किया जा रहा है। इसके लिए नागरिक स्वैच्छा से अपने भवन ,भूमि देने को तैयार रहे हैं। संपत्ति मालिकों ने खूद ही अपने हाथों से भवनों की तुडाई शुरू किए महीनों हो गए लेकिन चौड़ीकरण के ठेकेदार कंपनियों के ढीले रवैये से महीनों बाद भी मूलभूत सुविधा की स्थिति सुचारू नहीं हो सकी। इससे नागरिक परेशान हो गए हैं। इसी के चलते अब विरोध के स्वर उठने लगे हैं। हाल ही में कोयलाफाटक सहित शहर के कुछ चौड़ीकरण को लेकर तेलीवाडा पर नागरिकों ने जाम किया था उसके बाद भी स्थिति सुधरी नहीं है। नागरिकों का आरोप है कि नगर निगम कालोनाईजरों को लाभ पहुंचाने के लिए मनमानी का चौड़ीकरण कर रही है। जिन मार्गों का बहुत ज्यादा उपयोग नहीं होना है वहां भी अत्यधिक चौड़ीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है।

एमआर-4 के रहवासियों का घेराव

गाड़ी अड्डा चौराहे से रणकेश्वर महादेव मंदिर तक मार्ग चौड़ीकरण की शुरूआत हो चुकी है। प्रभावित रहवासी विरोध में उतर गये है। शुक्रवार को विरोध कर रहे रहवासियों ने सिंहस्थ मेला कार्यालय पहुंचकर वहां घेराव किया ।निगम आयुक्त से मार्ग चौड़ीकरण की सीमा को कम करने की गुहार लगाई। विरोध कर रहे रहवासियों को कांग्रेस ने भी अपना समर्थन दिया है। एमआर-4 मार्ग को 24 मीटर चौड़ा करने को लेकर नगर निगम ने क्षेत्रवासियों को नोटिस जारी किये थे। रहवासियों ने 24 मीटर का विरोध करते हुए 15 मीटर चौड़ीकरण का पक्ष रखा था। इसे लेकर नागरिकों ने निगमसभापति सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के समक्ष अपनी गुहार रखी थी। मुख्यमंत्री के नाम भी ज्ञापन सौंपा था। सुनवाई नहीं होती देख नागरिकों ने अब सडक पर विरोध दर्ज करवाना शुरू कर दिया है। गुरूवार को उन्होंने ब्लेक डे मनाया था घरों,दुकानों के ताले नहीं खोले थे। शुक्रवार को दुसरे दिन नागरिक सिंहस्थ मेला कार्यालय पहुंचे और निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा को ज्ञापन सौंपकर मार्ग चौड़ीकरण 15 मीटर करने की गुहार लगाई।

मनमानी की नपती पर आपत्ति

नानाखेडा गेल इंडिया से नीलगंगा तक मार्ग चौड़ीकरण किया जा रहा है। इस वैकल्पिक मार्ग को 18 मीटर चौडा किया जाना है। चौड़ीकरण में दोनों और से बराबर भूमि ली जाना है लेकिन यहां संजय नगर में मनमानी की नपती पर नागरिकों ने आपत्ति ली है। नागरिकों ने इसे लेकर आयुक्त सहित जिम्मेदारों को लिखित रूप से अवगत करवाया है। नागरिकों का कहना है कि नप्ती सेंटर लाईन से की जाना चाहिए जो नहीं की गई है। माफिया की तरह कहीं सेंटर लाईन से तो कहीं नाली से नप्ती की जा रही है।संबंधित इंजीनियर नागरिकों की मांग की अनदेखी करते हुए मनमानी कर रहे हैं।पूर्व में नागरिकों को विश्वास देते हुए सेंटर लाईन से नपती की जानकारी दी थी। नागरिकों ने निगमायुक्त से मनमानी की नपती का अवलोकन करने का आग्रह किया है। इसके साथ ही नागरिकों का कहना है कि नोटिस देने के दौरान भी संबंधित कर्मचारियों से आग्रह करने पर वे जेसीबी लाकर मकान गिराने की धमकी दे गए और नोटिस भी नहीं दे गए। आपत्ति में नागरिकों ने सेंटर लाईन बनाने और उससे दोनों और 9-9 मीटर की नपती करने और निगमायुक्त से चौड़ीकरण के वैधानिक नियमों का पालन करवाने का पक्ष रखा है। नागरिकों का यह भी कहना है कि हरिफाटक मार्ग 6लेन किया जा रहा है इसी पर एलिवेटेड ब्रिज बन रहा है। इसके साथ ही टावर से नानाखेडा फोरलेन भी विकसित किया जा रहा है।इस बीच करीब 3 मार्ग हैं। ऐसे में इस मार्ग को 18 मीटर चौडा किया जाना न्याय संगत नहीं है। अधिकतम 15 मीटर ही इसे चौडा किया जाना चाहिए।

उज्जैन तहसील में 48 घंटे में डेढ इंच से अधिक वर्षा

हवाओं के जोर के साथ बारिश का दौर रहा, शहरी क्षेत्र में मूंग के आकार के ओले भी बरसे, अधिकतम तापमान एक दिन पूर्व की अपेक्षा 5 सेंटीग्रेड गिरा, हवा 12 से 8 किलोमीटर रफ्तार से चली

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

बेमौसम बरसात ने गजब ढा दिया है।शुक्रवार को बीते 48 घंटे के दरमियान उज्जैन तहसील में करीब डेढ इंच बारिश होना सामने आ रहा है। लोगों के अनुसार शहरी क्षेत्र में ही कहीं झकहीं मूंग एवं चने के आकार की ओलावृष्टि हुई है। इस दरमियान हवाओं ने भी कहर बरपाया है।एक दिन पूर्व शाम की तरह शुक्रवार सुबह 12 किलोमीटर एवं शाम को 8 किलोमीटर की गति से ठंडी हवाएं चली है। दिन का अधिकतम तापमान भी एक दिन पूर्व की अपेक्षा 5 डिग्री के लगभग गिरा है।

ठंड ने एक बार फिर पलटा मारा है। शुक्रवार सुबह उज्जैन शहर शिमला हुआ जा रहा था। बारिश की ठंडी बूंदे आमजन को करंट जैसी प्रतीत हो रही थी। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से मौसम पलट गया है। बारिश और ओलावृष्टि ने आम जनजीवन को प्रभावित किया है। गुरुवार शाम को 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं ने रातभर कहर बरपाया है। शुक्रवार सुबह भी इनकी यही गति बारिश के साथ भी जारी रही। इस दौरान उज्जैन शहर सहित जिले के कई हिस्सों में बारिश के समाचार सामने आए हैं। अगले 2-3 दिन इसी तरह के मौसम की संभावना जानकार जता रहे हैं।

बेमौसम बरसात से प्रभावित हुआ जनजीवन

शुक्रवार सुबह शहर में हुई बारिश से आम जनजीवन प्रभावित रहा है। सुबह जल्दी उठकर प्रातः भ्रमण पर जाने वाले लोगों के साथ ही स्कूली बच्चे भी इससे प्रभावित रहे हैं। 5 वीं एवं 8वीं की परीक्षा का दौर भी शुरू हो गया है। दोपहर में बच्चों की परीक्षा के केंद्रों पर कई जगह पर डोबरों में पानी भरा रहा । व्यवसायिक क्षेत्रों में दुकानें देर से खुली । चाय की दुकानों पर लोगों ने जमकर चुस्की ली है। सुबह देर तक सूर्य देव के दर्शन नहीं हुए । इसके बाद सूर्य देव ने झलक दिखलाई और दिन भर बादलों की ओट में छिपे रहे।

पिछले 24 घंटे में वर्षा की स्थिति

तहसील	वर्षा
उज्जैन	24.0
घट्टिया	0.5
खाचरौद	00
नागदा	00
बंडनगर	4.0
महिदपुर	7.0
झार्डा	2.0
तराना	1.0
माकडौन	00

नोट-आंकडे मिली मीटर में हैं।
स्त्रोत-जिला भू-अभिलेख कार्यालय, उज्जैन

अधिकतम गिरा, न्यूनतम चढ़ा

शासकीय जीवाजी वेधशाला से जारी विज्ञप्ति के अनुसार शुक्रवार को अधिकतम तापमान एक दिन पूर्व की अपेक्षा करीब 5 डिग्री गिरावट के साथ 23.5 डिग्री दर्ज किया गया है। न्यूनतम तापमान एक दिन पूर्व की अपेक्षा 1.5 डिग्री बढत के साथ 16.5 डिग्री दर्ज किया गया है। इस दौरान सुबह के समय हवा 12 किलोमीटर एवं शाम को 8 किलोमीटर की गति से चली। आर्द्रता सुबह 90 एवं शाम को 82 प्रतिशत दर्ज की गई।शुक्रवार शाम तक पिछले 24 घंटों के दरमियान शहरी क्षेत्र में वर्ष 5.4मिलीमीटर दर्ज की गई है।

48 घंटों में डेढ इंच वर्षा

जिला भू-अभिलेख के आंकडों के अनुसार बुधवार से शुक्रवार दरमियानी 48 घंटों में उज्जैन तहसील में करीब डेढ इंच बारिश हुई है। इन 48 घंटो में जिले में सर्वाधिक वर्षा उज्जैन तहसील में ही सामने आ रही है। गुरूवार से शुक्रवार सुबह के 24 घंटों के दरमियान ही उज्जैन तहसील में 24 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। इसके बावजूद भी पिछले वर्ष की तुलना में अभी करीब सवा तीन इंच बारिश कम ही हुई है। जिले की 9 राजस्व तहसीलों में इस वर्ष माकडौन एवं उज्जैन को छोडकर शेष सभी तहसीलों में पिछले वर्ष से अधिक वर्षा दर्ज की जा चुकी है।

ये है मौसम पलटने का कारण

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के दो सिस्टम सक्रिय होने के साथ मध्य प्रदेश के ऊपर से

गुजर रही ट्फ लाइन की वजह से मौसम में बदलाव आया है। 22 फरवरी से फिर पश्चिमी विक्षोभ का नया सिस्टम सक्रिय हो रहा है। इससे अगले कुछ दिन और मौसम ऐसा ही बना रहने वाला है।

उत्पादन प्रभावित होने के हालात

इधर कृषि के जानकारों के अनुसार जिस फसल में दाना पकने के कगार पर आ गया था और वह आडी हुई है उसमें क्वालिटी की मार पड रही है। जो फसल 75 प्रतिशत झूकी है और अभी उसके दानों में दूध भर रहा है ऐसी फसल 5-10 प्रतिशत वापस उठने की उम्मीद है। आडी हुई फसलों में कई क्षेत्रों में ज्यादा नुकसान के हालात बन गए है। ऐसे में जिले में 5-7 फीसदी उत्पादन पर असर आ सकता है। जिले के कई ग्रामीण क्षेत्रों में हाहाकार जैसे हालात बनने की स्थिति बताई जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि बारिश भी खंड वर्षा जैसी हुई है और ओलावृष्टि भी ऐसी ही रही है। इस कारण से कई खेतों में ज्यादा नुकसान के हाल बन रहे हैं।

2025 में सर्वाधिक साढ़े पांच करोड़ पर्यटक उज्जैन पहुंचे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सूबे के पर्यटन क्षेत्र में धार्मिक शहर उज्जैन ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह कीर्तिमान स्थापित हुआ है बीते वर्ष 2025 में जब शहर में देश विदेश से सर्वाधिक साढ़े पांच करोड पर्यटक उज्जैन पहुंचे।

यह आंकड़ा प्रदेश के अन्य पर्यटन और धार्मिक स्थानों से सबसे अधिक है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2025 के दौरान प्रदेश में 13.18 करोड़ पर्यटक आए। इसमें सर्वाधिक साढ़े पांच करोड़ पर्यटक उज्जैन पहुंचे। 1.60 लाख चित्रकूट और 1.50 करोड़ पर्यटक मैहर पहुंचे। पर्यटन की गतिविधियों में वृद्धि से सूबे की मोहन यादव सरकार को प्रदेश के धार्मिक और पर्यटन स्थलों से राजस्व में 14.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इसमें उज्जैन का योगदान सबसे अधिक है। बता दें कि महाकाल लोक बनने के बाद उज्जैन शहर में होटल उद्योग भी तेजी से फल फूल रहा है।

सिंहस्थ 2028 में देश-दुनिया से 30 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। यह बात आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में सामने आई है।

निर्यात में भी उज्जैन अव्वल बना हुआ है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार प्रदेश में अक्टूबर 2024 की स्थिति में देखा जाए तो निर्यात के मामले में धार जिला सबसे आगे रहा है। यहां से 17,830 करोड रुपये की वस्तु निर्यात की गई। इसके बाद इंदौर 13,500, रायसेन 7,263, सिंगरौली 4,598, सीहोर 3,864, देवास 3,826, उज्जैन 2,288, भिंड 1,914, भोपाल 1,631 और रतलाम जिले से 1,278 करोड रुपये की वस्तुओं का निर्यात किया गया।

सिंहस्थ में 30 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना

विक्रम व्यापार मेला में मुख्यमंत्री ने किया ई-विटारा का शुभारंभ

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

विक्रम व्यापार मेला 2026 में युग कार्स के स्टॉल पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मारुति सुजुकी की पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी ई-विटारा का भव्य लोकार्पण किया। यह लॉन्च प्रदेश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को नई दिशा देने वाला कदम माना जा रहा है।

बैटरी व रेंज: ई-विटारा दो बैटरी विकल्पों में उपलब्ध है: 49 kWh LFP बैटरी पैक, 61 kWh LFP बैटरी पैक। बड़ी 61 kWh बैटरी के साथ यह एसयूवी लगभग

543 किमी तक की रेंज देने में सक्षम है। कंपनी बैटरी पर 8 वर्ष या 1,60,000 किमी की वारंटी दे रही है।

बैटरी सहित एक्स-शोरूम कीमत: ₹15.99 लाख से ₹19.79 लाख तक (वेरिएंट अनुसार)

नाटक 'जाति जीवनम' की प्रभावी प्रस्तुति

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन में आयोजित विक्रमोत्सव के नाट्य समारोह की चतुर्थ संध्या ओडिशा के नाट्य निर्देशक चित्तरंजन सत्पथी के निर्देशन में नाटक जाति जीवनम् का रंजक मंचन हुआ।

यह पौराणिक कथा पर आधारित चरित्र-प्रधान एकांकी नाटक था । प्रसिद्ध कथाकार महामहोपाध्याय पंडित गोविन्द चन्द्र मिश्र रचित इस नाटक ने जातिगत भेदभाव, वंश-रक्षा और नैतिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों को मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। नाटक में ओडिशा के द क्याज, नाट्य समूह के कला दल द्वारा प्रभावी अभिनय से दर्शकों का मन मोह लिया। भारतीय पौराणिक परंपरा पर आधारित इस एकांकी में जातीय चेतना, वंश-संरक्षण और नैतिक दायित्वों की गंभीर अभिव्यक्ति देखने को मिली। नाटक के भावपूर्ण प्रसंगों और वैचारिक गहराई ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा।

कथानक ऋषि जरत्कारु के उस सशर्त विवाह-संकल्प के इर्द-गिर्द विकसित होता है, जिसे वे पितृ-पुरुषों द्वारा सौंपे गए वंश-रक्षा के दायित्व के निर्वहन हेतु स्वीकार करते हैं। दूसरी ओर नागयज्ञ के माध्यम से नागजाति के विनाश की प्रतिज्ञा लेते हैं। विषम परिस्थिति में वासुकि की भगिनी नागजाति की रक्षा के लिए स्वयं को उत्सर्ग करने का संकल्प लेती है। नाटक में करुणा और आत्मबलिदान की चरम संवेदना को प्रकट किया गया। नाटक के माध्यम से निस्वार्थ समर्पण, निष्काम कर्तव्यबोध और सामूहिक उत्तरदायित्व का प्रभावी संदेश दिया गया। नाटक में ओडिशा के कलाकारों ने प्रभावपूर्ण अभिनय क्षमता का परिचय दिया।

छेड़ने से बज जाती है खतरे की घंटी, प्रशासन, सार्वजनिक स्थलों को लेकर रहे सतर्क

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

(पं राहुल शुक्ल)

मधुमक्खी साधारणतः किसी को परेशान नहीं करती है और परागीकरण की प्रक्रिया मे सहायक है किन्तु यदि इनकी छेड़खानी की जाती है तो ये अपनी सुरक्षा को खतरा मानकर आसपास के लोगों को डंक मारती है । कुछ ऐसा ही हुआ विगत दिनों नागदा मे शिवरात्रि मेले के दौरान जब मधुमक्खियों ने झूला झूल रहे लोगों पर अचानक हमला बोल दिया जिसमे तीन बच्चों की हालत नाजुक चल रही है।

डंक मे होता है अम्ल

सबसे खतरनाक भंवरमाल मक्खी होती है। इसके काटने से शरीर मे विषाक्तता की स्थिति हो जाती है। ये डंक मारकर मानव व पशु के शरीर मे फार्मिक एसिड छोडती है फार्मिक एसिड का ही अन्य नाम मिथेनाइक एसिड भी है। डंक मे फार्मिक एसिड के साथ हिस्टामिन , मैलेटिन व एमिनो एसिड होते हैं। जब ये रक्त मे मिल जाते हैं तो शरीर मे जलन व असहनीय दर्द होता है। मक्खी के वैनम मे 50से 60 प्रतिशत मैलेटिन ही होता है। मधुमक्खी का वैनम अम्लीय होता है क्योकि इसका पी एच मान 4.5 से 5.5 तक होता है। शरीर मे एलर्जिक पेन होता है। 3 से 4 डंक मारने पर स्थिति नियंत्रण मे रहती है पर यदि 10 से ज्यादा मक्खियां डंक मारें तो व्यक्ति मर भी जाता है। कई बार डंक की विषाक्तता तो ज्यादा नही होती पर भय से ही पीडित मर जाता है।

प्रशासन रहे अलर्ट मोड पर

तीर्थनगरी उज्जैन मे लगातार धार्मिक आयोजन होते रहते हैं। कुछ आयोजन खुले मे रखे जाते हैं जहां आसपास पेडों पर मधुमक्खी के छत्ते भी होते हैं। प्रशासन प्रायः इन छत्तों को गंभीरता से नहीं लेता है पर नागदा की घटना से सबक लेना होगा कि सार्वजनिक आयोजनों के पूर्व इन मधुमक्खियों से बचाव को लेकर सतर्कता पर चिंतन मनन हो और एक ठोस कार्य योजना बने। पंचकोशी यात्रा के समय भी पडाव स्थल के आसपास कुछ छत्ते पेडों पर होते हैं और नीचे यात्री कंडे जलाकर बाटी सेंक रहे होते हैं। नागदा की घटना की भयावहता ने सोचने पर विवश किया है कि प्रशासन इन अदृश्य आपदाओं पर भी गौर फरमाए ताकि सभी सुरक्षित रहें।

आग, धुएं और छत्ते को छूने से

मधुमक्खी के छत्ते के आसपास आग जलाने पर या धुआं उत्पन्न होने पर ये बहुत नाराज हो जाती हैं। इसके अलावा छत्ते को छूने पर भी ये गुस्सा होकर काटने लगती हैं। नाराज होने पर सैनिक मधुमक्खी 3 किलोमीटर की त्रिज्या मे फैल जाती हैं और काटने लगती हैं। शायद नागदा मेले मे आग के धुंए से ही ये आक्रामक होकर हमला करने लगी ऐसी आशंका है।

प्राकृतिक छत्ते मे दो से ढाई लाख मक्खियां

पेड या बडे भवनों पर लगे एक छत्ते मे लगभग दो से ढाई लाख मधुमक्खियां होती हैं। अब हम सहज ही अनुमान लगा सकते हैं कि इतनी अधिक संख्या मे मधुमक्खी क्रुद्ध होकर काटने लगें तो हालात कितने गंभीर हो सकते हैं।

सबसे पहले डंक निकालना चाहिए

मधुमक्खी के काटने पर सबसे पहले नाखून या तीखे कार्ड से काटे हुए स्थान से डंक को निकालना चाहिए फिर घाव को साफ पानी या साबुन से धोना चाहिए। तदुपरांत इस पर लोहा घिसकर लगाना चाहिए । चूंकि इसके काटने पर अम्ल शरीर मे जाता है अतः अम्ल के दुश्मन यानी क्षार का प्रयोग काटे स्थान पर करना चाहिए। क्षार के रूप मे घाव पर खाने का सोडा लगाना हितकर है। घाव को कभी भी रगडना नही चाहिए। रगड़ने पर इसका जहर रक्तनालियो मे तेजी से फैल जाता है।

- गोविन्द माहेश्वरी,
संचालक मधुमक्खी पालन केन्द्र , देवगुराडिया।

सूजन वाले स्थान को सेकें

शरीर मे सूजन वाली जगह को आइस पैड से सिकाई करें फिर घाव पर मीठा सोडा या टूथ पेस्ट लगा दें । सोडा व टूथपेस्ट दोनो ही क्षारीय होते हैं और ये मधुमक्खी के विष मे उपस्थित अम्लीय पदार्थ के प्रभाव को उदासीन कर देता है।

- अंकिता चौहान,
व्याख्याता जीवविज्ञान व पर्यावरणविद।

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

नं. 1 क्षेत्रीय अख़बार

दैनिक अवन्तिका

इंदौर | उज्जैन | रविवार, 22 फरवरी , 2026 | www.awantika.com

4 मार्च से बदलेगी भगवान महाकाल की दिनचर्या, ठंडे जल से करेंगे स्नान

चैत्र कृष्ण प्रतिपदा पर 4 मार्च से गर्मी की शुरूआत मानी जाती है

इसके साथ ही अवंतिकानाथ महाकाल ठंडे जल से स्नान करेंगे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में चैत्र कृष्ण प्रतिपदा पर 4 मार्च से गर्मी की शुरूआत होगी। अवंतिकानाथ महाकाल ठंडे जल से स्नान करेंगे। मंदिर में प्रतिदिन होने वाली पांच में से तीन आरती का समय बदलेगा। भगवान महाकाल की गर्मी के अनुसार दिनचर्या का अनुक्रम शरद पूर्णिमा तक चलेगा। महाकाल मंदिर की पूजन परंपरा में साल में दो बार भगवान महाकाल की दिनचर्या व आरती का समय बदलता है। कार्तिक कृष्ण प्रतिपदा से फाल्गुन पूर्णिमा तक छह माह भगवान की दिनचर्या सर्दी के अनुसार रहती है तथा भगवान महाकाल गर्म जल से स्नान करते हैं। वर्तमान में अवंतिकानाथ की सेवा पूजा सर्दी के अनुसार ही की जा रही है। होली के अगले दिन चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से भगवान की दिनचर्या गर्मी के अनुकूल रहेगी। पुजारी भगवान को ठंडे जल से स्नान कराएंगे। इसके साथ ही आरती का समय बदलेगा।

डेढ़ करोड़ रुपए से अधिक का लड्डू प्रसाद बिका

महाकाल मंदिर में महाशिवरात्रि पर डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक का लड्डू प्रसाद बिका है। मंदिर प्रशासन के अनुसार दो दिन में आठ लाख से अधिक भक्तों ने भगवान महाकाल को शीश नवाया। देशभर से आए श्रद्धालु अपने साथ भगवान महाकाल का लड्डू प्रसाद भी खरीदकर ले गए हैं। मंदिर प्रशासन के अनुसार इस बार महाशिवरात्रि 1 करोड़ 95 लाख 82 हजार 200 रुपये का लड्डू प्रसाद बिका है।

आरटीओ बोले- छूट भी मिलेगी और वेरिफिकेशन भी होगा

उज्जैन वाहन मेले में पोर्टल पर अटकी टैक्स छूट

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन के शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में चल रहे विक्रमोत्सव व्यापार मेले में वाहन खरीदी पर दी जा रही टैक्स छूट नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर के पोर्टल पर अटक गई है। मेले के पांचवें दिन तक 2965 वाहन बिक चुके हैं, जिनमें फोर व्हीलर की संख्या सबसे अधिक है। टैक्स छूट की प्रक्रिया बाधित होने से डीलर और ग्राहकों के बीच असमंजस की स्थिति बन गई है। आरटीओ का कहना है कि टैक्स छूट प्रभावित नहीं होगी और वेरिफिकेशन की प्रक्रिया जारी है।

दरअसल रोड टैक्स जमा करने के लिए उपयोग होने वाले एनआईसी के केंद्रीय पोर्टल में एक समय में केवल एक शहर को ही टैक्स छूट का प्रावधान है। मध्यप्रदेश में इस समय दो वाहन मेले चल रहे हैं, पहला ग्वालियर में जो 25 दिसंबर से 25 फरवरी तक आयोजित है और दूसरा उज्जैन में, जो 15 फरवरी से शुरू हुआ है। पोर्टल पर अभी ग्वालियर मेले की छूट सक्रिय है, जिससे उज्जैन में बिके वाहनों का टैक्स जमा नहीं हो पा रहा है।

क्या है प्रक्रिया

मेले या शोरूम से वाहन खरीदते समय बीमा और टैक्स दोनों का भुगतान करना होता है। बीमा के सात दिन के भीतर टैक्स जमा करना अनिवार्य है, अन्यथा 10 प्रतिशत पेनल्टी लगती है। चूंकि उज्जैन में मेला 15 फरवरी से शुरू हुआ है, इसलिए बीमित वाहनों का टैक्स 22 फरवरी तक भरना आवश्यक है।

डीलरों ने ग्राहकों से टैक्स छूट के अनुसार भुगतान लेकर वाहन डिलीवर कर दिए हैं। यदि सात दिन के भीतर टैक्स जमा नहीं होता तो पेनल्टी का भार डीलरों पर पड़ सकता है। वहीं ग्राहक भी आशंकित हैं कि कहीं उनसे अतिरिक्त राशि की मांग न कर ली जाए।

ऐसे में उज्जैन में बिके 2000 से अधिक वाहन बिना टैक्स जमा हुए ही सड़कों पर उतर चुके हैं। कई वाहनों का बीमा हो चुका है लेकिन टैक्स प्रोसेस पूरी न होने से डीलरों को पेनल्टी का डर सता रहा है।

विशेषज्ञों की राय

परिवहन विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मेलों में टैक्स छूट बिक्री बढ़ाने का बड़ा आकर्षण होती है लेकिन तकनीकी अड़चनों से उपभोक्ताओं का भरोसा प्रभावित होता है। उज्जैन का यह मेला विक्रमोत्सव का हिस्सा है जो पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा देता है। यदि समस्या जल्द नहीं सुलझी तो बिक्री पर असर पड़ सकता है। कई ग्राहक इंदौर, देवास और आसपास के जिलों से आए हैं और फिलहाल स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार कर रहे हैं।

आरटीओ का पक्ष

आरटीओ संतोष मालवीय का कहना है कि सभी वाहन खरीदारों को टैक्स छूट मिलेगी। वाहनों का वैरिफिकेशन जारी है और दिल्ली स्तर पर तकनीकी टीम काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं मामले की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि शुक्रवार से टैक्स जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

फॉर्म-7 के दुरुपयोग का आरोप

उज्जैन-दक्षिण में 33 हजार से अधिक नाम कटने पर शिकायत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम काटे जाने का विवाद अब और गहरा गया है। जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष भरत पोरवाल द्वारा उठाई गई आपत्तियों के बाद, अब इस मामले में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने हस्तक्षेप किया है। उन्होंने मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को पत्र लिखकर इस पूरे प्रकरण की सघन जांच और उचित कार्रवाई की मांग की है।

उज्जैन दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) अभियान के दौरान 33,256 मतदाताओं के नाम विलोपित (काटे) गए हैं। एक ही विधानसभा से इतनी बड़ी संख्या में नाम कटने पर कांग्रेस नेता भरत पोरवाल ने गंभीर आपत्ति दर्ज कराई थी।

भरत पोरवाल ने आरोप लगाया कि नाम काटने की प्रक्रिया में 'फॉर्म 7' का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया गया और झूठी आपत्तियों के आधार पर मतदाताओं को सूची से बाहर कर दिया गया। इतनी बड़ी संख्या में नाम काटे जाने के मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की थी। भरत पोरवाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त से मांग की थी कि 21 फरवरी 2026 को होने वाले मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए। इसको लेकर सांसद दिग्विजय सिंह ने मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा को एक पत्र लिखा है। अपने पत्र में उन्होंने उज्जैन जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष भरत पोरवाल के मूल आवेदन को संलग्न किया है।

इंदौर की सियासत का संग्राम.. नारे से पत्थर तक

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर की पहचान आमतौर पर स्वच्छता, सुव्यवस्था और जागरूक नागरिकता से जोड़ी जाती है, लेकिन शनिवार दोपहर शहर का राजनीतिक तापमान कुछ इस कदर बढ़ा कि गांधी भवन के बाहर लोकतांत्रिक विरोध सड़कीय टकराव में बदल गया। दिल्ली में आयोजित एआई समिट में कांग्रेस के प्रदर्शन के विरोध में भाजपा ने देशभर में कांग्रेस कार्यालयों के घेराव की रणनीति बनाई थी। इसी क्रम में इंदौर में भी गांधी भवन घेरने की घोषणा की गई।

उधर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विधानसभा में दिए गए बयान को लेकर पहले से ही कांग्रेस कार्यकताओं में आक्रोश था। नतीजा यह हुआ कि घेराव से पहले ही दोनों दलों के कार्यकर्ता आमने-सामने आ खड़े हुए। कांग्रेस कार्यकर्ता पहले से मौजूद थे और भाजपा के जत्थे के पहुंचते ही नारेबाजी शुरू हो गई। माहौल में राजनीतिक आक्रोश था, लेकिन कुछ ही मिनटों में यह आक्रोश उग्रता में बदल गया। बैरिकेडिंग के बावजूद दोनों ओर से पत्थर, पानी की बोतलें और टमाटर एक-दूसरे की ओर उछाले जाने लगे। लोकतांत्रिक असहमति की जगह दृश्य किसी सड़क संघर्ष जैसा दिखाई देने लगा। पुलिस ने संभावित टकराव को भांपते हुए पहले से अतिरिक्त बल तैनात किया था। सड़क के दोनों ओर बैरिकेड लगाए गए थे और दंगा नियंत्रक वाहन ह्यवज्रह्व भी मौके पर मौजूद था। हालात बिगड़ते देख वॉटर कैनन का उपयोग किया गया, हालांकि पानी का दबाव इतना प्रभावी नहीं था कि भीड़ तुरंत छंट जाती। पुलिस की मंशा भी घेरे में लगी..करीब आधे घंटे तक चली इस अफरा-तफरी में एक मीडियाकर्मी और एक कांग्रेस नेता को चोट आई। सौभाग्य से चोटें गंभीर नहीं थीं, लेकिन यह घटना इस बात का संकेत जरूर दे गई कि राजनीतिक उग्रता किस हद तक जा सकती है। दिल्ली के एआई समिट से उपजा विवाद और प्रदेश की राजनीति में मंत्री के बयान को लेकर जारी विरोध..दोनों ने मिलकर इंदौर की सड़कों को राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का मंच बना दिया। सवाल यह भी उठता है कि क्या देशव्यापी रणनीतियों का स्थानीय सामाजिक ताने-बाने पर असर पड़ना स्वाभाविक है, या राजनीतिक दलों को अपने विरोध के तौर-तरीकों पर पुनर्विचार करना चाहिए।

इंदौर ने कई बार यह साबित किया है कि वह संगठित नागरिक भागीदारी से बड़े लक्ष्य हासिल कर सकता है। ऐसे में सियासी मतभेदों का पत्थरबाजी में बदल जाना शहर की उस छवि के विपरीत है, जिस पर यहां के लोग गर्व करते हैं। लोकतंत्र में विरोध की आवाज जरूरी है,किंतु संवाद का स्थान टकराव ले लेता है, तो नुकसान केवल किसी एक दल का नहीं, पूरे शहर की प्रतिष्ठा का होता है।

हितग्राहीमूलक योजनाओं के लंबित प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करने के दिए निर्देश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन ने जिला पंचायत सभागृह में महिला एवं बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभाग द्वारा संचालित हितग्राहीमूलक योजनाओं की समीक्षा विशेष रूप से की, जिसमें जननी सुरक्षा योजना, प्रसूति सहायता योजना, मातृ वंदना योजना एवं सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए। अठउ पंजीयन की स्थिति एवं लफ्द्धह (हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं) की पहचान एवं नियमित फॉलोअप सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। बैठक में समस्त ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी, दोनों विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। श्री जैन ने हितग्राहियों की भुगतान की स्थिति की समीक्षा करते हुए आधार सीडिंग एवं बैंक लिंकिंग संबंधी त्रुटियों का शीघ्र निराकरण तथा लंबित प्रकरणों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में पोर्टल संबंधी प्रविष्टियों को 24 घंटे के भीतर अद्यतन करने हेतु सभी को निर्देशित किया गया।

वनमंडल में गिद्धों की तीन दिवसीय गणना शुरू

पहले दिन गिने गए 97 गिद्ध

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मध्य प्रदेश में गिद्धों की घटती संख्या पर नजर रखने और उनके संरक्षण के लिए वन विभाग द्वारा शुरू किए गए द्विवार्षिक गिद्ध गणना अभियान के तहत इंदौर वनमंडल में 20 फरवरी से तीन दिवसीय शीतकालीन गणना शुरू हो गई है। यह अभियान 22 फरवरी तक चलेगा।

पहले दिन खराब मौसम और कहीं-कहीं बारिश के बावजूद वन विभाग की टीमों ने इंदौर, महू, मानपुर और चोरल फॉरेस्ट रेंज में केवल बैठे हुए गिद्धों की गणना की। नियम के अनुसार सिर्फ बैठे हुए गिद्धों की गिनती ही मान्य है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के इस अभियान के पहले दिन 97 गिद्ध दर्ज किए गए, जो सभी ईजिप्शियन वल्चर प्रजाति के हैं। यह गणना प्रदेशव्यापी है और पहली बार कुछ क्षेत्रों में मोबाइल ऐप का उपयोग भी किया जा रहा है ताकि डेटा अधिक पारदर्शी और सटीक हो। वन अधिकारियों ने बताया कि गिद्ध संरक्षण के लिए जागरूकता और डाइक्लोफेनाक जैसी दवाओं पर प्रतिबंध जैसे प्रयास जारी हैं। अगले दिनों की गणना के आंकड़े भी जल्द जारी किए जाएंगे।

6 से 8 बजे तक किया गया सर्वे

वन विभाग के अनुसार इंदौर वनमंडल में 38 चिन्हित स्थानों (जैसे तिंछा फाल, देवगुराड़िया ट्रेंचिंग ग्राउंड, पेडमी, पातालपानी आदि) पर 16 टीमों ने सुबह 6 से 8 बजे तक सर्वे किया। गिद्धों को पर्यावरण के प्राकृतिक क्लीनर के रूप में जाना जाता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उनकी संख्या में कमी आई है। इसी कारण अब साल में दो बार (फरवरी और अप्रैल में) गणना की जा रही है ताकि बेहतर संरक्षण रणनीति बनाई जा सके।

86 गिद्ध दर्ज हुए थे

पिछले वर्षों के आंकड़ों से तुलना करें तो 2025 में इंदौर में केवल 86 गिद्ध दर्ज हुए थे, जबकि 2023 में 114 और 2021 में 117 थे। विभाग उम्मीद कर रहा है कि अगले दो दिनों में और गिद्ध नजर आ सकते हैं।

सिंहस्थ-2028 की तैयारी: 550 पुलिस जवानों को ट्रेंड करेंगे

उज्जैन में प्रदेशभर के पुलिस जवानों को फायर सेफ्टी, क्राउड मैनेजमेंट की ट्रेनिंग देंगे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ-2028 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी के तहत इंदौर के अफसर अगले हफ्ते से उज्जैन में शुरू होने वाले विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम में प्रदेशभर के 550 पुलिस जवानों को ट्रेंड करेंगे। इस दौरान वे जवानों को प्रयागराज, नासिक और हरिद्वार कुंभ के दौरान सामने आई चुनौतियों और सफल मैनेजमेंट के बारे में बताएंगे।

भीड़ बढ़ने पर ट्रैफिक कंट्रोल करने के साथ ही आग लगने की घटनाओं को रोकने और काबू पाने के लिए फायर सेफ्टी पर अलग से मॉक ड्रिल भी होगी। ट्रेनिंग सेशन में प्रदेशभर के हर जिले से 10 पुलिस जवान शामिल होंगे। ये जवान उज्जैन से ट्रेंड होकर अपने-अपने जिले में सिंहस्थ के लिए टीमों को तैयार करेंगे। ट्रेनिंग अलग-अलग सेशन में अगले दो साल तक चलेगी। इसमें उज्जैन और भोपाल के अफसर भी ट्रेनिंग देंगे।

ट्रेनिंग का पूरा फोकस मैदानी चुनौतियों पर रहेगा

शाही स्नान के दौरान लाखों की भीड़ को कैसे संभालना है, किस तरह बैरिकेडिंग और रूट प्लानिंग करना है, ट्रैफिक डायवर्शन कैसे लागू करना है। इन सब पर विस्तार से अभ्यास कराया जाएगा। पांडालों की सुरक्षा, भोजन वितरण की व्यवस्था, लापता लोगों की ट्रैकिंग और आपात स्थिति में तुरंत रेस्क्यू जैसे विषय भी शामिल हैं। इस बार एआई तकनीक की भी बड़ी भूमिका होगी। भीड़ का दबाव किस क्षेत्र में बढ़ रहा है, ट्रैफिक कहां जाम हो रहा है या कौन-सी जगह संवेदनशील बन रही है। इसकी जानकारी एआई आधारित सिस्टम से मिलेगी। रियल टाइम मॉनिटरिंग से मौके पर तैनात अधिकारी तुरंत फैसला ले सकेंगे।

सिंहस्थ के दौरान हजारों श्रद्धालु इंदौर-ओंकारेश्वर भी जाते हैं

सिंहस्थ के दौरान उज्जैन आने वाले हजारों श्रद्धालु घूमने के लिए इंदौर और ओंकारेश्वर भी जाते हैं। ऐसे में यहां भी होटल, धर्मशालाएं, ट्रैफिक और सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने होंगे। देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, इंदौर रेलवे स्टेशन और शहर के बस स्टैंडों पर यात्रियों की भारी संख्या के अनुमान को देखते हुए इंदौर में भी अतिरिक्त पुलिस बल, हेल्प डेस्क और मार्गदर्शन व्यवस्था की तैयारी की जा रही है। इस बार लक्ष्य सिर्फ भीड़ संभालना नहीं, बल्कि पूरे मालवा क्षेत्र में सुरक्षित और सुव्यवस्थित आयोजन का उदाहरण पेश करना है।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाया गया अंतिम छोर तक

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने एवं आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कलेक्टर बड़वानी श्रीमती जयति सिंह के मार्गदर्शन में सेंधवा जनपद की 34 ग्राम पंचायतों में छठवाँ कलस्टर अनुश्रवण शिविर का आयोजन किया गया। इससे पूर्व जिले में सफलतापूर्वक 5 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, और इसी कड़ी में यह आयोजन ग्रामीणों के लिए समाधान का केन्द्र साबित हुआ जिसमें उन्हें अपने ही ग्राम में समस्याओं का निराकरण प्राप्त हुआ। संकल्प से संकल्प अभियान के द्वितीय चरण के तहत जनपद पंचायत सेंधवा के 3 क्लस्टर सेंधवा, धनोरा, चाचरिया की 34 पंचायतों में शिविर आयोजित किए गए।

भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच पथराव

एक दूसरे पर फेंके गए पत्थर, टमाटर और पानी की बोतल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में शनिवार को भाजपा और कांग्रेस कार्यकताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। भाजपा द्वारा गांधी भवन घेराव की घोषणा के बाद दोनों पक्षों में जमकर पत्थरबाजी और नारेबाजी हुई, जिसमें एक मीडियाकर्मी और एक कांग्रेस नेता घायल हो गए।

दिल्ली में एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन के विरोध में शनिवार को भाजपा कार्यकताओं ने कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन घेरने की घोषणा की थी, लेकिन वहां कांग्रेस कार्यकताओं ने भी विरोध स्वरूप एकत्र होकर उनका सामना किया। दोनों तरफ से पत्थर, पानी की बोतलें और टमाटर एक-दूसरे पर फेंके गए। पुलिस ने आमने-सामने हुए दोनों दलों के प्रदर्शनकारियों को हटाकर स्थिति को नियंत्रित किया। इस पथराव में छह लोगों सहित एक मीडियाकर्मी और एक पुलिस अधिकारी को चोटें आई हैं। एक महिला नेत्री बिंदू चौहान को पथराव में गंभीर चोट आई है। उन्हे निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। वही इसी तरह से कांग्रेस जिला अध्यक्ष विपिन वानखेड़े को भी सिर पर पत्थर लगा, जिसके बाद उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

एमपी ट्रांसको में नवागत अभियंताओं से संवाद

इंदौर। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी में नवागत सहायक अभियंताओं के साथ मुख्यालय शक्तिभवन में परिचयात्मक संवाद आयोजित किया गया।

आचार्य कृपलानी ने बताया मनुष्य की असली जाति, अपनी देखें

ट्रेन का वह प्रथम श्रेणी का डब्बा था। इस वजह से उसमें अधिक भीड़ नहीं थी। एक सज्जन किताब पढ़ने में व्यस्त थे जबकि बाकी सभी लोग बातों में मशगूल थे। उनकी बातचीत से लग रहा था कि सभी पढ़े-लिखे और संभ्रांत परिवारों के हैं। विभिन्न विषयों से होते हुए उनकी बातचीत जाति-पांति पर आकर टिक गई। दिलचस्प यह कि तमाम मसलों पर प्रगतिशील विचार रखने वाले वे लोग जाति का सवाल आने पर घर-परिवार और संस्कार की बात करने लगे। जल्दी ही उन सबके मुंह से अपनी-अपनी जाति की बड़ाई निकलने लगी। कोई अपनी जाति की उत्पत्ति का बखान कर रहा था तो कोई अपनी जाति से जुड़े लोगों की उपलब्धियां बता रहा था।

इसी दौरान एक व्यक्ति ने पुस्तक पढ़ रहे सज्जन से पूछा, श्रीमान! आप किस जाति से हैं? वह सज्जन कुछ पल गुमसुम से सवाल पूछने वाले को देखते रहे और फिर बिना कुछ कहे दोबारा पुस्तक पढ़ने लगे। जवाब न पाकर उस व्यक्ति ने फिर से पूछा, श्रीमान! आपने बताया नहीं कि आप किस जाति से हैं? तब उस सज्जन ने जवाब दिया, मैं किसी एक जाति का होता तो जवाब देता। मेरी कोई एक जाति है नहीं। इस अटपटे जवाब पर सभी हैरान होकर उन्हें देखने लगे।

वह सज्जन बोले, जब मैं सवेरे नित्यकर्म के लिए जाता हूं तो शूद्र बन जाता हूं। जब जीवन जीने के लिए संघर्ष करता हूं तो क्षत्रिय हो जाता हूं। जब कॉलेज में बच्चों को पढ़ाता हूं, तो ब्राह्मण बन जाता हूं। और जब अपने वेतन तथा खर्च आदि का हिसाब किताब रखता हूं तो वैश्य हो जाता हूं। इसलिए मुझे कुछ समझ नहीं आता कि मैं किस जाति से हूं। अगर आप समझ सकते हैं, तो खुद ही जान लीजिए कि मेरी जाति क्या है। यह जवाब सुनकर सभी लोग शर्मिंदा हो गए। वह सज्जन कोई और नहीं बल्कि आचार्य कृपलानी थे।

सम्पादकीय

रेवड़ी कल्चर के खतरे

मुफ्त-मुफ्त-मुफ्त चुनाव आते ही सत्तारूढ़ दल हो या विपक्षी दल सभी सेल लगा देते हैं। रस्ते का माल सस्ते में की तर्ज पर मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए बड़े-बड़े वायदे किए जाते हैं। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का सिलसिला वर्षों पहले दक्षिण भारतीय राज्यों से शुरू हुआ था जो लगभग अब हर राज्य में फैल चुका है। अब ऐसी आशंकाएं व्यक्त की जाने लगी हैं कि अगर ऐसे ही चलता रहा तो एक दिन राज्यों का दिवाला ?पिट जाएगा। आदमी जब मुफ्त भोगी बन जाता है तो कामचोर बनना उसकी आदत बन जाती है। मुफ्त में कोई भी पिलाए, पीने वालों की कोई कमी नहीं भले ही व जहर क्यों न हो।

जनता को भी मुफ्त की रेवड़ियों की घोषणा का बेसब्री से इंतजार रहता है। जब महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव होने वाले थे तो वहां भी मुफ्त की रेवड़ियों का ऐलान किया गया। महाराष्ट्र चुनाव के लिए ?लाड़ली बहन योजना पर जबरदस्त जोर दिया गया। राज्यों के चुनावों की छोड़ दें तो देश की राजनीति में मुफ्त अनाज योजना, मुफ्त गैस योजना और अन्य कई योजनाओं ने भाजपा की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे में विपक्ष शासित राज्य भी कैसे पीछे रह सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर चुनावों से ठीक पहले राजनीतिक दलों द्वारा फ्री बीज की घोषणा करने पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए ?स्पष्ट कहा है कि जरूरतमंद और सक्षम लोगों में फर्क किए बिना सबको मुफ्त सुविधाएं बांटना तुष्टिकरण है जो देश ?की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर सकता है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने बहुत ही कड़वा लेकिन व्यावहारिक सवाल उठाया है। कोर्ट ने पूछा कि अगर सरकार हर चीज मुफ्त देगी और सीधे खाते में पैसे भेजेगी, तो लोग मेहनत और काम क्यों करेंगे? चीफ जस्टिस ने कहा कि लोगों को काम के अवसर देना ज्यादा जरूरी है ताकि वे सम्मान के साथ जी सकें। मुफ्त राशन, गैस और बिजली की आदत लोगों से काम करने की प्रेरणा छीन सकती है, जो किसी भी देश के भविष्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है। सुनवाई के दौरान तमिलनाडु में सबके बिजली बिल राज्य सरकार द्वारा भरने की नीति पर सवाल उठे। कोर्ट ने पूछा कि क्या यह वाकई जनहित में है कि जो लोग बिल भरने में सक्षम हैं, उनका बोझ भी सरकार उठाए? जज साहब ने स्पष्ट किया कि एक कल्याणकारी राज्य का कर्त्तव्य गरीब बच्चों की पढ़ाई और बीमारों की मदद करना है लेकिन जो लोग भुगतान कर सकते हैं, उनसे लागत वसूलना राष्ट्र निर्माण के लिए बेहद जरूरी है।

दान सुपात्रों को देवे

दान की प्रवृत्ति भारत में उत्तरोत्तर जागरूकता की ओर अग्रसर

हर व्यक्ति समाज से और समाज के लिए बना होता है। हम संकीर्ण भावनाओं से ऊपर उठकर हमें अपनी उदारता और विशालता को अपनाना होगा। हम जितनी विशाल उदात्त भावनाओं को अपनाऐंगे, उतनी ही अनंत दैवीय शक्ति की प्राप्ति होगी।

डॉ. बी.आर. नलवाया, (दैनिक अवन्तिका)

इसलिए जीवन की सबसे सुन्दर और उपलब्धिपूर्ण स्थिति दाता बनने में है, न कि हर वक्त अभाव का रोना रोते और हाथ फैलाए हुए जीवन जीने में। जब हम निःस्वार्थ भाव से एवं बदले में बिना कुछ चाहत के किसी को कुछ देते है, तो दान लेने वाले का अंतःकरण प्रसन्न होता है। उसकी यह प्रसन्नता शरीर में ऊर्जा बनकर रोम-रोम में निकलती है। वह उस दाता को यशस्वी बना देती है। दाता बनने के लिए भौतिक वस्तुओं या रूपयों-पैसों का दान दिया जाता है। इसके साथ इसके अनेक विकल्प भी है, जैसे - रक्तदान, विद्यादान, नेत्रदान, देहदान, गो-दान, कन्यादान, अन्नदान, तनाव ग्रस्त व्यक्ति का तनाव दूर कर मुस्कान और प्रसन्नता का दान आदि। इन दानों में विद्यादान, कन्यादान महत्वपूर्ण माने गए। दान मनुष्य द्वारा किए जाने वाले सभी सतकर्मो में श्रेष्ठ कर्म है। सनातन धर्म में चार प्रकार के दान बताए गए है - प्रथम अन्नदान, द्वितीय औषधदान, तृतीय विद्यादान और चतुर्थ अभयदान है। इसी प्रकार दानदाताओं के चार प्रकार भी बताए गए ग्रासरूट, एस्परेशनल, प्रैक्टिकल, वेल-आफ गिवस। इनकी प्रेरणा, जागरूकता, जुड़ने की प्रसंग अलग-अलग बताई गई है। भारत में माध्यम, उच्च वर्ग के लोग दान देने की प्रवृत्ति की ओर अग्रसर है। सभी धर्मग्रंथ में लिखा है कि दान मेहनत की कमाई का ही होना चाहिए। परिश्रम से कमाया धन सात्विक भाव पैदा करता है इस सात्विक दान कहा गया है। इसलिए दानी व्यक्ति प्रत्येक जगह सम्मान का पात्र होता है। पुराणों के अनुसार दान देने से देवता भी मनुष्य के वश में हो जाते है, किन्तु दान की सार्थकता तभी है, जब वह निःस्वार्थ भाव से किया जाए।

जब दान करने वाले व्यक्ति को अंहकार उत्पन्न हो जाता है, तो दान से अर्जित उसके पुण्यों का क्षय होना प्रारंभ हो जाता है। उसका दान निष्फल हो जाता है। दान का अधिष्ठान सदैव विन्रमता एवं करूणा होना चाहिए। विन्रमता एवं करूणा हृदय से दिया गया दान पुण्य प्राप्त करता है। उसकी ख्याति स्वतः होने लगी है। इस सम्बंध में विख्यात प्रसंग यह है कि - देशबंधु निरंजन दास का जन्म 05 नवम्बर, 1870 में कलकत्ता में हुआ था। वे कलकत्ता हाईकोर्ट के प्रबुद्ध वकील थे। 1908 में अलीपुर बम केस में बिना फीस लिए अरविन्द घोष का बचाव कर वे क्रांतिकारियों के हीरो बन गए थे। असहयोग आंदोलन के दौरान वकालत छोड़ दी और सारी सम्पत्ति दान कर दी। सम्पूर्ण सम्पत्ति दान के बाद उन्हें देशबंधु कहा जाने लगा।

दान की सिद्धि उसके पात्र पर भी निर्भर करती है। दान सदैव सुपात्र को ही देना चाहिए। कुपात्र को दिए गए दान से उसका प्रताप समाप्त हो जाता है। यदि दान कुपात्र को मिलें, तो वह उसके महत्व को नहीं समझ पाता। ऐसा दान कुपात्र को लोभी बना देता है। साथ ही उसके भीतर कृतध्नता उत्पन्न हो जाती है। वह उस दान के महत्व को मिट्टी में मिला देता है। जिस तरह सागर में भारी बारिश से कोई लाभ नहीं है, भरे हुए पेट वाले व्यक्ति को छप्पन भोग परोस कर कोई लाभ नहीं, ठीक उसी प्रकार कुपात्र को दान देकर भी कोई लाभ नहीं होता। इसलिए सुपात्र को दान देने से हमारे अंदर पवित्रता और करूणा के भाव पैदा होते है। जो एक सकारात्मकता पैदा होती है, वह हमारे विचारों कार्यो और उद्देश्यों को अधिक मजबूती प्रदान करती है।

मृत्यु जीवन की सच्चाई है। फिर भी मनुष्य सदैव इससे दूर भागता है ,और मृत्यु पीछा नहीं छोड़ती है। इसलिए मृत्यु आने के पूर्व ही अधिकाधिक अर्जित धन का उत्तम दान देने की प्रवृत्ति देवीय गुणों को जागृत अवस्था में उत्पन्न होती है। इसलिए दान के महत्व को समझना अत्यंत आवश्यक है। हमें हर अवस्था में इसके महत्व की अनुभूति करनी चाहिए। स्पष्ट है कि ह्यह्यएक राजा के मन में ख्याल आया कि मनुष्य का मरने के बाद क्या होता है ? राजा ने राज्य में ढिंढोरा पिटवा दिया , कि जो आदमी रातभर कब्र में मुर्दे की तरह लेटकर मरने के बाद होने वाली घटनाएं बताएगा, उसे इनाम मिलेगा। आखिरकार एक कंजूस तैयार हुआ। उसे कब्रिस्तान ले जाया गया। रास्ते में एक फकीर ने उसका पीछा किया। फकीर ने कहा ह्यह्यअब तो तूम मरने जा रहे हो। अपने धन में से मुझे ही कुछ दे दो। फकीर ने जब पीछा नहीं छोड़ा तो कंजूस ने कब्रिस्तान में पड़े अखरोट के छिलकों के ढेर में से मुट्ठीभर छिलके फकीर को दे दिए। कंजूस को कब्र में लिटाया गया। सांस लेने के लिए सिर की तरफ छोटा सा छेद रहने दिया गया, ताकि वह जिन्दा रहे। रात को एक सांप कब्र के पास आया और छेद से अंदर घुसने की कोशिश करने लगा। कंजूस घबरा गया। इधर सांप जब छेद में घुसने की कोशिश कर रहा था। तो अखरोट का एक छिलका छेद में अटका था। इससे सांप अंदर नहीं घुस पाया। सुबह हुई , तो कंजूस राजा के सामने पेश होकर बोला-- महाराज मरने के बाद, सबसे ज्यादा दान काम में आता है।

कई बार धन की लालसा से मनुष्य ऐसा व्यवसाय करने लगता है, जिसमें अनावश्यक हिंसा होती है। जैसे कीटनाशक दवाईयों की बिक्री। प्रत्येक व्यवसायी को चाहिए, कि अनावश्यक हिंसा वाले व्यापार-व्यवसाय से दूर रहे। यदि वह ऐसे कार्य में संलग्न होता है, तो उसे कई जन्मों तक अनावश्यक हिंसा के पाप के कारण कर्मफल भोगना पड़ता है। यहां व्यवसायी अच्छे से अच्छा दान करके भी पाप कर्म के फल से निवृत्त नहीं हो सकेगा। आप जानबूझ करके हिंसा का व्यापार करने दानपूण्य करते है, यह कहां का न्याय है ? अनैतिक व्यवसाय से धन कमाकर परिवारजनों पर खर्च किया धन सार्थक सिद्ध नहीं होता है। यदि हम अपने जीवन के बुरे कर्मो को त्याग कर के दानशील बनेंगे तो धनलक्ष्मी स्वतः आएगी। उस समय 2017-18 में दान देने में अमेरिका आगे था। लेकिन अब अमेरिका, न्यूजीलैण्ड और ब्रिटेन जैसे देशों में दानदाताओं की संख्या में बड़ी गिरावट हुई। दान देने में सबसे आगे इंडोनेशिया है, यहां 10 में से 8 व्यक्ति दान देते है। उसके बाद केन्या, नाइजीरिया, म्यंनमार और आस्ट्रेलिया का नम्बर आता है। जापानी दान देने में सिर्फ 12 प्रतिशत ही यकीन करते है, इसके बाद पुर्तगाल, बेल्जियम, इटली और दक्षिण कोरिया का नम्बर आता है। एडेलगिव हुरून ईडिया परोपकार सूची 2022 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में सूचना प्रौद्योगिक (आईटी) कम्पनी एचसीएल के संस्थापक 77 वर्षीय शिव नादर 1161 करोड़ रू. वार्षिक दान देने के साथ देश में सबसे बड़े परोपकारी बनकर उभरे है।

होली के साथ गौरैया की बात

गौरैया को गुम हुए अरसा हुआ। पिछले कुछ समय से तमाम अच्छी चीजें धीरे-धीरे गायब होती जा रही हैं। कहने वाले कहते हैं कि होली की नैचुरल उमंग नदारद है। गुझियों में अब वह पहले वाली मिठास नहीं रही। मावे की तरह रिश्ते सिंथेटिक हो गए हैं। स्वाइन फ्लू का खौफ है, लोग हाथ भी मिलाते हैं, तो दस्ताने पहनकर। हेल्थ कांशस उत्सवधर्मी परस्पर गले मिलने से अक्सर कतराते हैं। अलबत्ता सुरा का स्वाद पहले जैसा ही कसैला है। एक-दूसरे के मुख पर कालिख पोतने की आदिम इच्छा बरकरार है। तमाम प्रकार के सरोकारी लोग मुंह पर सद्भाव के जयकारे लिए हाथों में काले पेंट से सराबोर ब्रश थामे हैं।

गौरैया जब तक घर-घर में थी, तब तक बड़ी खटकती थी। उसका चहचहाना चिढ़ाता था। उसको घर-आंगन में फुदकता देख लोग कुढ़न से भर जाते थे। जब होली इंद्रधनुषी रंगों से लबरेज थी, यह डाउन मार्केट ईवेंट था। लगता था कि यह क्या बात हुई कि जिसे देखो, वही गले पड़ रहा है। गालों पर रंग पोत दे रहा है। निरर्थक ठिठोली कर रहा है। इसके बावजूद तब न कोई किसी बात पर गुब्बारे की तरह मुंह फुलाता था और न कोई रूठे हुए को मनाने के लिए फिल्मी गाना बजाता था। उन दिनों ढोल, ढोलक, ढपली और मृदंग की थाप पर टेसु के रंगों की गमक खुद-ब-खुद चली आती थी। गौरैया को बुलाने के लिए बड़े-बडे. विज्ञापन आने ही वाले हैं। वैसे वह डिजिटल फॉरमेट में इधर-उधर और सोशल साइट्स पर फुदकती दिखने लगी है। होली के रंग फेसबुक और ट्विटर पर ओवरफ्लो कर रहे हैं। अमेरिका वाले बड़े साहब मुल्क को मौखिक सौगात देकर वापस जा चुके हैं। उनके जाते ही सारा माहौल एक्टिव मोड में आ गया है। लगता है कि अब सिर्फ उत्सवी दिन ही नहीं, परस्पर लड़ने- झगड़ने के मनमाफिक दिन आ लिए हैं। गौरैया दिवस जब आना है, आ जाएगा। फिलवक्त होली आ पहुंची है। अब यदि गौरेया और हुरियारे चाहे तो बुरा न मानो होली है, कहते हुए बिफोर टाइम भी आ सकते हैं।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 22 फरवरी 2026 रविवार
सूर्योदय - 06:59 सूर्यास्त 18:23
फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष
राहुकाल - 16:30 से 18:00 तक
तिथि - पंचमी 11:10 उपरांत षष्ठी
नक्षत्र - अश्विनी 17:55 उपरांत भरणी
योग - शुक्ल 13:08 उपरांत ब्रह्म
करण - बालव
चन्द्रमा - दिन पूर्ण मेष में रहेगा।
मुस्लिम मास - रमजान मास 04 तारिख

मेष- आपके किसी परियोजना को सरकारी लाभ प्राप्त होने की संभावना है।

वृषभ- विदेशगमन की संभावना भी है। किसी धार्मिक स्थल की भेंट से सात्विकता में वृद्धि होगी।

मिथुन- क्रोध से स्वयं कोई हानि होने की संभावना अधिक है। दिमाग को शांत रखिएगा।

कर्क- भागीदारों से भी लाभ होगा। छोटा सा प्रवास या पर्यटन की स्मृति लंबे समय तक बनी रहेगी।

सिंह- किसी कारणवश दैनिक कार्यों में विघ्न आ सकते है। व्यवसाय में सहकर्मियों का सहयोग आज नहीं के बराबर मिलेगा।

कन्या- आज विद्यार्थियों के लिए समय कठिन है ऐसा गणेशजी कहते हैं। संतानों के विषय में आपको चिंता बनी रहेगी।

तुला- माता के विषय में चिंता रहेगी। स्थावर संपत्ति से सम्बंधित दस्तावेजी कार्य सावधानी से करें।

वृश्चिक- आर्थिक लाभ होने के साथ-साथ भाग्य में भी लाभ होगा।

धनु- पारिवारिक वातावरण क्लेशपूर्ण रहेगा। निर्धारित कार्यों को पूर्ण न कर पाने से मन में हताशा भी बनी रहेगी।

मकर- गृहजीवन में आनंद का वातावरण रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। मानसिक स्वस्थता बनी रहेगी।

कुंभ- शारीरिक और मानसिक रुप से स्वस्थ्य नहीं रहेंगें। स्वजनों के साथ मतभेद खड़े होंगे।

मीन- शुभ समाचार मिलेगा। पत्नी और संतानों से लाभ प्राप्त होगा। आकस्मिक धन प्राप्त होने की संभावना है।

-पं. पुरुषोत्तम शिवनारायण शर्मा (भरदीवाले) 9926034545

समसामयिक

राष्ट्रवादी अवधारणा हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि राष्ट्रवादी अवधारणाओं को भी दल विशेष की अवधारणा के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। दरअसल राजनीति का मूल स्वरूप इतना विकृत हो गया है कि पूर्वाग्रह की प्रबलता के चलते दो और दो चार जैसे आसान सवालों को भी उलझा कर रख दिया जाता है। वास्तव में प्रबल राष्ट्रवाद एक प्रकार से हिंदुत्व की

राजेंद्र बज (दैनिक अवन्तिका)

अवधारणा के इर्द-गिर्द ही घूमता है। इस पर भारतीय नागरिकों को अतिरिक्त गर्व की सुखद अनुभूति होती है। हमारे वेद, शास्त्र और पुराणों में उल्लेखित भारतीय धर्म संस्कृति के उच्च स्तरीय आदर्शों के परिपालन की अपेक्षा नागरिकों से की जाती रही है। वैसे भी लोकतंत्र की राजनीति में ' रामराज्य ' की परिकल्पना को मूर्त रूप देने के वादे और इरादे के साथ जनमत के समर्थन की आस की जाती रही है। ऐसे में राष्ट्रवाद की भावना को अलगाव से जोड़कर नहीं देखा जा सकता। इन संदर्भों में बेहतर हो यदि राष्ट्रवाद की परिकल्पना को भारतीय रंग से जोड़ा जाए। वास्तव में जाने-अनजाने हमने राष्ट्रवाद को हिंदुत्व के रूप में और हिंदुत्व को प्रबल राष्ट्रवाद के रूप में काफी हद तक अंगीकार कर लिया है। वैसे ऐसा होने पर भी ऐसा नहीं माना जा सकता कि कोई अनहोनी हो गई है।

हमारी विश्व वंदनीय भारतीय संस्कृति आदि-अनादिकाल से धर्म संस्कृति पर आधारित जीवन पद्धति के साथ जुड़ी हुई है।जब हम कहते हैं ' हमें गर्व है कि हम भारतीय हैं ', यकीन मानिए इस गर्वोक्ति पर हमारा मान सम्मान और स्वाभिमान अप्रत्याशित रूप से चैतन्य हो जाया करता है। वास्तव में हमारे रग-रग में भारतीय संस्कृति से गूंथे हुए संस्कार कदम कदम पर हमारा मार्गदर्शन करते रहे है। मनुष्य जीवन में देवत्व की ओर बढ़ने की सीख हमें हमारी संस्कृति ही प्रदान करती है। परस्पर पूर्वाग्रह के चलते राष्ट्रहित को नजरअंदाज करने का राजनीतिक तौर तरीका उचित नहीं है।

दरअसल हमें अपने राष्ट्र के प्रति हर उस विषय का समर्थन करना चाहिए, जिसके आधार पर नागरिकों में नागरिक चेतना के भाव उत्पन्न होते हैं। प्रतिपक्षी की किसी भी बात को सिरे से खारिज कर देना भी उचित नहीं माना जा सकता। लेकिन प्रतिपक्ष जब राजनीतिक स्वार्थसिद्धि की प्रबलता के चलते राष्ट्र की अस्मिता को भी दांव पर लगाना चाहे, तो यह घोर अपराध ही होगा। इसमें संदेह नहीं कि केंद्रीय नेतृत्व की रीति नीति के चलते नागरिकों में अप्रत्याशित रूप से राष्ट्रीय चेतना जागृत हुई है। विश्व वंदनीय भारतीय संस्कृति को केंद्र में रखकर इस संस्कृति का विकेंद्रीकरण करने के प्रयासों की सराहना की जानी चाहिए।

इसमें संदेह नहीं कि किसी भी देश की छबि उसकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के आधार पर आकलित की जाती है। निश्चित ही अतीत का गौरव वर्तमान दौर का स्वाभिमान होता है। इस नाते हम आत्ममुग्ध होते हैं, तो ऐसे में की जाने वाली आपत्ति नागरिकों की दृष्टि में सर्वथा निरर्थक सिद्ध होती है। बेशक नागरिकों की राष्ट्र के प्रति चेतना जागृत होने का निरंतर मिल रहा सुखद संकेत, हमें अपने भारतीय होने पर गर्व का कारण सिद्ध हो रहा है। केंद्र की रीति नीति का राजनीतिक मूल्यांकन, एक अलग विषय हो सकता है। लेकिन इसमें रत्ती भर भी संदेह नहीं किया जा सकता कि नागरिकों में राष्ट्र के प्रति चेतना के भाव तीव्र गति से जागृत होते जा रहे हैं। ऐसी सुखद स्थिति के कारक तत्व के रूप में हिंदुत्व की अवधारणा एक सेतु का कार्य कर रही है। इसलिए हमें प्रसन्न होना चाहिए। दरअसल राजनीतिक स्वार्थसिद्धि के प्रति बेलगाम आतुरता के चलते अनेक अवसरों पर शीर्ष राजनीतिक दलों द्वारा राष्ट्र विरोधी तत्वों को प्रश्रय दिया जाने लगा है।

स्वच्छ रखे रखे, कई बीमारियों का कारण बन सकते हैं गंदे नाखून

नाखून शरीर का अहम हिस्सा हैं। इनकी सुंदरता के साथ-साथ सेहत का भी ख्याल रखना जरूरी है। कारण यह है कि नाखून कई तरह की बीमारियों का कारण बन सकते हैं। साथ ही नाखून पर पैनी नजर रखी जाए तो कई तरह की बीमारियों से बचा जा सकता है। कुल मिलाकर नाखून और शरीर की सेहत का करीबी रिश्ता है। लिवर, फेफड़ों और दिल से जुड़ी कई बीमारियों का संकेत नाखून से मिलता है। नाखूनों की नियमित सफाई जरूरी है। नाखूनों के जरिए गंदगी पेट में जाने से गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

क्या संकेत देते हैं नाखून

डॉ. लक्ष्मीदत्ता शुक्ला के अनुसार, बालों की तरह नाखून भी एक ही प्रोटीन के बने होते हैं, जिसे कैराटीन कहा जाता है। जो लोग स्वस्थ्य आहार लेते हैं, उनके शरीर के अन्य अंगों की तरह नाखून भी स्वस्थ्य होते हैं। यदि नाखून कमजोर हैं और जल्दी टूट जाते हैं तो यह थायरॉइड का संकेत हो सकता है। यदि नाखून क्रेक हो रहे हों या इनका रंग पीला हो तो यह फंगल इन्फेक्शन के कारण हो सकता है। यदि नाखून पर गहरे रंग की रेखाएं बन रही हैं तो यह त्वचा संबंधी बीमारी का संकेत हो सकता है। डॉक्टर को दिखाएं और जरूरी जांच करवाएं। यह त्वचा कैंसर का कारण भी बन सकता है। यदि नाखून सामान्य से अधिक सफेद हैं तो यह शरीर में खून की कमी का संकेत हो सकता है। यदि अंदरूनी रिंग गहरे रंग की है तो यह लिवर में खराब का संकेत माना जाना चाहिए। शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो तो यह नीले नाखून के रूप में सामने आ सकती है।

नाखून चबाने की आदत से सेहत को नुकसान

नाखून चबाना एक आम समस्या है। कई बार लोग जाने-अंजाने किताब पढ़ते समय या कुछ सोचते समय नाखून चबाने लगते हैं। इससे सेहत को नुकसान होता है। नाखून में जमा गंदगी पेट में जाती है। साथ ही ऐसा करना बड़ी मनोवैज्ञानिक समस्या या डिप्रेशन यानी अवसाद का संकेत भी हो सकता है। खुद पर काबू रखने की कोशिश करें। समय-समय पर नाखून काटते रहें। जब नाखून बड़े नहीं होंगे तो दांत से चबाने की आदत छूट जाएगी।

नाखून साफ रखने के घरेलू उपाय

सेहतमंद रहने के लिए नाखून को साफ रखना बहुत जरूरी है। कई बार सामान्य पानी से नाखून अच्छी तरह साफ नहीं होते हैं। इन्हें साफ करने के कुछ आसान घरेलू उपाय हैं। जैसे नींबू। नींबू एक नैचुरल ब्लीचिंग एजेंट के रूप में काम करता है। नींबू के छिलके को नाखूनों पर रगड़ने से नाखून पूरी तरह साफ हो सकते हैं। गर्म पानी में नींबू के टुकड़े डालकर हाथ अच्छी तरह साफ किए जा सकते हैं। बेकिंग सोडा के साथ भी नींबू का उपयोग किया जा सकता है। नींबू और बेकिंग सोडा का मिश्रण बनाएं तथा नाखून पर लगाएं। गुनगुने पानी से हाथ धो लें। जो लोग ऑयल या ऐसे कुछ काम करते हैं तो उन्हें नाखून साफ करने के लिए टूथब्रश का इस्तेमाल करना चाहिए।

धर्म-आस्था

विष हर कर इस संसार को सुखमय बनाते हैं शिव

देव और दानवों के समुद्र मंथन से निकले हलाहल का पान कर समस्त सृष्टि को विनाश से बचाने की क्षमता केवल सर्व शक्तिमान सर्वेश्वर शिव में ही है। अमृत बंटने के समय शिव तटस्थ रहे। विष्णु के हस्तक्षेप से अमृत देवताओं को मिला और वे अमर बन गए। असुर नाराज हुए। देव और असुर दोनों के ईश्वर शिव के आगे अमृत से वंचित दानवों ने गुहार लगाई तो शिव ने दानव गुरु शुक्राचार्य को संजीवनी मंत्र द्वारा असुरों को बार-बार जीवित करने की क्षमता प्रदान की। यही कारण रहा कि देवासुर संग्राम में युगों तक दोनों पक्ष समान रूप में एक-दूसरे के ऊपर हावी रहे। देवताओं की जय और असुरों की पराजय तब-तब संभव हो पाई जब-जब असुरों के धर्मविरुद्ध आचरण प्रबल हुए और शिव अथवा विष्णु को सृष्टि की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा।

पुराणों में वर्णित इन आख्यानों का अगर हम आध्यात्मिक विश्लेषण करें तो मानवता के कल्याण के लिए इन कहानियों का नैतिक अभिप्राय एवं संदेश हमारे सामने स्पष्ट होता है। वास्तव में, शास्त्रों में समुद्र मंथन एवं देवासुर संग्रामों का उल्लेख सांकेतिक व अलंकारिक है। समुद्र मंथन इस संसार रूपी भव सागर में जीवन व्यतीत करने वाले मनुष्य के मन-बुद्धि में लगातार चल रहे विचारों का मंथन ही है। मन रूपी मंदर पर्वत को बुद्धि रूपी कूर्म के ऊपर स्थित एवं स्थिर कर, मानव के अच्छे-बुरे संस्कार रूपी वासुकी नाग को रज्जु बनाकर हमारे दैवी और दानवीय प्रवृत्तियों द्वारा विपरीत दिशाओं में खींचे जाने की प्रक्रिया को ही समुद्र मंथन की उपमा दी गई है। मनुष्यता से देवत्व की ओर यात्रा में शिवत्व यानी आत्मिक गुण और शक्ति रूपी सकारात्मकता ही अमृत समान है, जो कि हमारे आंतरिक सुख-शांति की स्थिति को स्थिरता, दीर्घता एवं अमरत्व प्रदान करती है।

दिव्य ज्योति स्वरूप निराकार ज्योतिर्लिंग शिव परमात्मा अगर ज्ञान सूर्य है तो शिवत्व उनकी आध्यात्मिक शक्तियों की किरणें हैं। ये किरणें जब मनुष्य के ऊपर पड़ती हैं तो उसमें विद्यमान विकार, पाप और आसुरी अवगुण रूपी जीवाणु कीटाणु आदि भस्मीभूत हो जाते हैं। तभी तो परमात्मा शिव के सृष्टि पर दिव्य अवतरण के पर्व शिवरात्रि की महिमा में गान करते हैं, ज्ञान सूर्य प्रगटा, अज्ञान अंधेर विनाश। ज्ञान सूर्य दिव्य ज्योति स्वरूप परमात्मा शिव के उदय होने से मनुष्य की मन-बुद्धि में बसी तमोगुण एवं रजोगुण रूपी अज्ञानता नष्ट हो जाती है। आत्मा-परमात्मा के ज्ञान और योग जिसे सर्वोच्च योग कहते हैं, उस राजयोग से मानव और समाज में दैवी गुण, दैवी चरित्र, दैवी संस्कार, दैवी संस्कृति एवं दैवी सभ्यता का अभ्युदय होता है। यह मानव की भौतिकवादी जड़ता, चेतना एवं मानसिकता को आध्यात्मिक जागृति, दैवी गुण एवं दिव्य शक्ति प्रदान करता है।

जब मनुष्य अभिमान, अहंकार एवं अधर्म रूपी अंधकार में आसुरी और मनोविकारी हलाहल का संवर्धन करने लगता है, तब संसार में दैवी संपदा, मानवीय मूल्य, समाज व्यवस्था, प्रकृति एवं पर्यावरण का संतुलन नष्ट होने लगता है और सृष्टि विनाश की ओर बढ़ जाती है। ऐसे में सर्व आत्माओं के पिता परमपिता निराकार परमात्मा शिव का इस धरा पर पूर्व निर्धारित मानवीय शरीर में दिव्य अवतरण यानी दिव्य परकाया प्रवेश होता है। उस मानवीय शरीर रूपी रथ का अलौकिक नाम प्रजापिता ब्रह्मा पड़ता है, जिनके साकार माध्यम से निराकार शिव नई दैवी स्वराज की सतयुगी सुखमय सृष्टि की संरचना करते हैं।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 5750 डंकी, चना 4800 से 5000 विशाल, 8100 गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से ,5500 से 5550 मसूर 6000, 2675 लोकवन 2850 से 2900, महाराष्ट्र सफेद 6500 से 6600, पूर्णा 2800 से 2850 मालवराज, , महाराष्ट्र लाल 6600 से 6800, 2750 से 2775 मक्का 1550, कर्नाटक 6700 से 6900 तुअर, से 1600 चना दाल 7300 से निमारी 6200 से 6600 मूंग बेस्ट 7400 मीडियम 7500 से 7600 गर्मी 7800 से 8200 मूंग बेस्ट बेस्ट 7800 से 8000 तुअर दाल 7100 से 7200 मीडियम बोल्ड 8100 से 8300 एवरेज 8300 से 8400 बेस्ट 9100 से 6500 से 6700 मोगर 5500 9200 एक्स्ट्रा बेस्ट 10000 से से 6500 उड़द बोल्ड 7000 से 10100 ब्रांडेड 10700 मूंग दाल 7200 एवरेज 6200 से 6500 9100 से 9200 बेस्ट 9600 हल्का उड़द 3000 से 5000 से 9800 मूंग मोगर 9600 से काबुली डॉलर 8000 से 8500 9700 बेस्ट 1000 से 10200 काबुली रशियन 5500 से 5700 बिटकी 5100 से 5300 सरसों उड़द दाल 8600 से 8800 बेस्ट (मीडियम) 8000 से 8200 9000 से 9200 उड़द मोगर निमाड़ी 8400 से 8500 रायड़ा 9800 से 1000 बेस्ट 10100 6200 से 6400 सोयाबीन 4300 से 10200 मसूर दाल 7450 से से 4500 अलसी 8200 से 8500 7550 बेस्ट 7650 से 7750 रुपए तिल्ली 8000 से 9000 टोली 4000 से 4200 तिल्ली 8000 से पति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 1300 से 1500 आलू चिप्स 1500 से 1900 ज्योति पुराना 1000 से 1500 राशन आलू 900 से 1100 गुल्ला 300 से 700, प्याज महाराष्ट्र 1600 से 1900 प्याज लोकल 1000 से 1400 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 600 से 800 गोल्टी 300 से 500 , लहसुन सुपर बोल्ड 7000 से 7500 मीडियम 4000 से 5000 बारीक 3000 से 4500 रुपए प्रति क्विंटल

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 1796-2801 चना काबली- 3601-8526, चना बड़ा- 3640-5551, बटला- 4061, रायड़ा- 5775, उड़द- 3500, मसूर- 4841-5620, सोयाबीन- 1901-5841, मैथीदाना- 4720, असली- 6100, मावा- 280 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना-स्टेण्डर्ड- 1,57,700, रवा- 1,56,800 चांदी-टंच- 2,57,500 पाट- 2,56,500।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130,तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

जीपीडीपी-यूबीए के अंतर्गत एसजीएस-आईटीएस इंदौर की टीम का दौरा

तनोड़िया। पाँच छात्रों ने जीपीडीपी-यूबीए कार्यक्रम के अंतर्गत आगर मालवा जिले के तनोड़िया ग्राम का तीन दिवसीय 17 फरवरी से 19 फरवरी के दौरान शैक्षणिक एवं सामाजिक दौरा किया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण विकास योजनाओं को समझना, ग्राम की वास्तविक परिस्थितियों का अध्ययन करना तथा स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु सुझाव एकत्र करना था। इस टीम में आदित्य पचलानिया , सक्षम कुरेले, , कार्तिकेय कुमार तिवारी,आदित्य बसेर तथा अर्पित चौहान शामिल थे। छात्रों ने ग्राम भ्रमण कर वहाँ की आधारभूत सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था, शिक्षा की स्थिति तथा आजीविका के साधनों का अवलोकन किया। दौरे के दौरान छात्रों ने डीपीएम रामबाबू डांगी, सचिव अमित बार्डे तथा उपसचिव पवन सिंह अंजना से भेंट कर ग्राम विकास योजनाओं एवं जीपीडीपी के क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को पंचायत स्तर पर चल रही योजनाओं की जानकारी दी और विकास कार्यों की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। छात्रों ने ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को जाना और उनके सुझाव भी एकत्र किए। ग्रामीणों ने पानी, स्वच्छता और रोजगार से जुड़ी चुनौतियों को साझा किया। टीम ने इन मुद्दों को संकलित कर संबंधित अधिकारियों तक पहुँचाने का आश्वासन दिया। यह दौरा छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अनुभव सिद्ध हुआ। इससे उन्हें जमीनी स्तर पर विकास योजनाओं की कार्यप्रणाली समझने का अवसर मिला तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना भी सुदृढ़ हुई। कॉलेज प्रशासन ने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ाव बनाए रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती मनाई, चौक के सौन्दर्यीकरण के लिए ज्ञापन सौंपा

शुजालपुर। नगर में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। सुबह समाजजनों द्वारा बाइक रैली निकाली गई, जो नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पहुंची। यहां पूजन-अर्चन कर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि बेनी प्रसाद परमार को चौक के सौंदर्यीकरण एवं शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापना के संबंध में ज्ञापन सौंपा गया। शाम पांच बजे से विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभाकरराव देशमुख ने की। प्रमुख अतिथि के रूप में सुधाकरराव देशमुख, महाराष्ट्र समाज के अध्यक्ष सुरेश काका उपस्थित रहे, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में जिजाऊ ब्रिगेड प्रदेश अध्यक्ष कोमलताई देशमुख ने संबोधित किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई। नितिन सणस ग्रुप द्वारा शिवाजी महाराज पर आकर्षक प्रस्तुति दी गई। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रभाकरराव देशमुख ने महिलाओं से घर-परिवार के साथ आर्थिक रूप से सशक्त बनने का आह्वान करते हुए शिवाजी महाराज के आदर्शों पर चलने की बात कही। वैष्णव ने अफजल खान वध का प्रसंग प्रभावी शब्दों में प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता कोमलताई देशमुख ने शिवाजी महाराज के जीवन, उनके जन्म पूर्व की पृष्ठभूमि से लेकर राज्याभिषेक तक के प्रसंगों को उदाहरण सहित रखते हुए वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उनके विचारों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उनके आदर्शों पर चलकर सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। इस अवसर पर देहदान कर समाज को नई दिशा देने वाले सुधाकरराव देशमुख का सम्मान किया गया। साथ ही कोमल कुलदीप देशमुख को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्राजक्ता देशमुख, प्रस्तावना आनंद ने रखी तथा आभार प्रदर्शन मुकेश देशमुख ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आरोही, निसर्ग, नैवेद्य, दुर्वा, मानव, विहान, कैवल्य, अर्णव, अभंग, दुष्यंत, स्वरा, अन्वी, अनुश्री एवं पूर्वी सहित अन्य प्रतिभागियों ने शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

राजगढ़ रोड से निराश्रित मंदबुद्धि व्यक्ति का रेस्क्यू, खुशियों के ओटले ने दिखाई मानवता

ब्यावरा। सिटी पुलिस थाना ब्यावरा और सामाजिक संस्था खुशियों के ओटले के संयुक्त प्रयास से राजगढ़ रोड से एक निराश्रित मंदबुद्धि व्यक्ति को रेस्क्यू किया गया। यह व्यक्ति अत्यंत दयनीय अवस्था में सड़क पर घूमता हुआ मिला। उसकी स्थिति इतनी खराब थी कि वह ठीक से बोल भी नहीं पा रहा था। पूछताछ के दौरान वह स्वयं को कर्नाटक क्षेत्र का बता रहा था, किंतु अपना पूरा नाम और पता स्पष्ट रूप से नहीं बता सका। बातचीत में उसने अपना नाम शिवा बताया। पुलिस ने उसे सुरक्षित सिटी थाने में रखा, जहां पहले उसे नहलाया धुलाया गया और उसके बालों की कटिंग कराई गई। इसके पश्चात खुशियों के ओटले की टीम ने उसे नए वस्त्र पहनाए और भोजन की व्यवस्था की। कुछ ही समय में उसकी सूरत और स्थिति में इतना बदलाव आया कि लोग पहचान ही नहीं पा रहे थे कि यह वही व्यक्ति है, जो कुछ समय पहले बेहद गंदी हालत में इधर-उधर भटक रहा था। कई लोग उसे गलतफहमी में चोर तक समझने लगे थे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसका रेस्क्यू किया और मानवीय संवेदनाओं के साथ उसकी देखभाल की। ब्यावरा पुलिस थाना की टीम और खुशियों के ओटले के सदस्य मिलकर उसे उसके परिजनों तक सुरक्षित पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। इस मानव सेवा कार्य में विशेष सहयोग थाना टीआई विरेंद्र धाकड़, दिनेश किरार, पियूष गुप्ता तथा खुशियों के ओटले के संचालक डॉ. सुरजीत सिंह का रहा। पुलिस और सामाजिक संस्था के इस संयुक्त प्रयास ने समाज में मानवता की एक प्रेरणादायक मिसाल प्रस्तुत की है।

शाजापुर में बदहाली के बीच बोर्ड परीक्षा

सिस्टम की छत में छेद, एक हाथ से भीगने से बचाई कॉपी, दूसरे से लिखते रहे भविष्य

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

मध्यप्रदेश में स्कूल चलें हम और सब पढ़ें, सब बढ़ें, जैसे नारों की जमीनी हकीकत क्या है? इसकी एक शर्मनाक तस्वीर शुक्रवार को शाजापुर के एक गांव से सामने आई। जब सूबे के नौनिहाल अपने जीवन की अहम बोर्ड परीक्षा दे रहे थे, तब उनके सिर पर पक्की छत नहीं, बल्कि शिक्षा विभाग की लापरवाही टपक रही थी। बच्चों को टाटपट्टी पर बैठाकर परीक्षा ली जा रही थी और ऊपर से बारिश का पानी उनके पर्चों को भिगो रहा था। यह वही स्कूल है जिसने महज तीन दिन पहले बच्चों के हाथों में झाड़ू थमाकर उनसे शौचालय साफ करवाया था।

बदहाली के बीच बोर्ड का इम्तिहान

ग्राम पिपलिया गोपाल स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षा का आयोजन किया गया था। दोपहर 2 बजे से 5 बजे की पाली में 144 विद्यार्थी हिंदी का अपना पहला पेपर देने पहुंचे थे। स्कूल में न तो बैठने के लिए बेंच थीं और न ही पर्याप्त इंतजाम। मजबूरन बच्चों को नीचे फर्श पर टाटपट्टी बिछाकर बैठाया गया।

बाल्टी और मग के सहारे सिस्टम

परीक्षा शुरू हुए कुछ ही देर हुई थी कि अचानक मौसम का मिजाज बदला और बारिश शुरू हो गई। बारिश आते ही स्कूल की जर्जर इमारत जवाब दे गई और छत से पानी क्लासरूम में टपकने लगा। हालात इतने बेकाबू हो गए कि शिक्षकों को पानी रोकने के लिए क्लास के बीचों-बीच बाल्टी और मग रखने पड़े।

तस्वीरों में कैद दर्द

छत से टपकता पानी सीधे बच्चों के कपड़ों और उनकी कॉपियों पर गिर रहा था। नीचे बिछी टाटपट्टी और फर्श पूरी तरह जलमग्न हो गए थे। बच्चे 3 घंटे तक सिकुड़कर, एक हाथ से अपनी कॉपी बचाते हुए परीक्षा देने को मजबूर रहे। इस भारी अव्यवस्था पर जब स्कूल की शिक्षिका शबाना परवीन से सवाल किया गया, तो उनका जवाब भी सिस्टम की तरह ही गैर-जिम्मेदाराना था। उन्होंने कहा, हमें बारिश होने का कोई अंदेशा नहीं था। जैसे ही परीक्षा शुरू हुई, अचानक बारिश आ गई और छत के रास्ते क्लास में पानी भरने लगा। यह बयान अपने आप में सवाल खड़े करता है कि क्या बारिश न होने पर ही ये जर्जर छतें सुरक्षित मानी जाती हैं?

देवास के डॉ. अनिरुद्ध पड़ियार को मिली पीएचडी की उपाधि

मिक्स्ड सॉल्वेंसी पर की रिसर्च, कहा-नई तकनीक से बनी दवाएं होंगी ज्यादा सुरक्षित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

देवास के शोधार्थी डॉ. अनिरुद्ध अरुण पड़ियार को उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए राजीव गांधी तकनीकी विश्वविद्यालय की ओर से फार्मास्युटिकल साइंसेज में पीएचडी की उपाधि दी गई है। यह शोध डॉ. राजेश कुमार माहेश्वरी के मार्गदर्शन में पूरा हुआ।

डॉ. पड़ियार का शोध मिक्स्ड सॉल्वेंसी नामक सिद्धांत पर आधारित है। खास बात यह है कि उन्होंने यह पूरा शोध बिना किसी सरकारी या निजी आर्थिक मदद के खुद के खर्च पर पूरा किया। उन्होंने इस शोध में लाखों रुपए का निवेश किया।

क्या है मिक्स्ड सॉल्वेंसी तकनीक

आमतौर पर डिक्लोफेनाक, नेप्रोक्सन और पाइरोक्सिकैम जैसी दर्द निवारक दवाएं पानी में आसानी से नहीं घुलती हैं। इन्हें घोलने के लिए कड़े रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे कई बार साइड इफेक्ट भी होते हैं। डॉ. पड़ियार ने अपने शोध में बताया कि कैफीन और नियासिनैमाइड जैसे सुरक्षित तत्वों के मिश्रण से इन दवाओं को बेहतर तरीके से घोला जा सकता है। इससे दवा ज्यादा सुरक्षित और असरदार बन सकती है।

इंजेक्शन का दर्द होगा कम

मौजूदा इंजेक्शनों में घोल की मात्रा अधिक होने से नसों में जलन और दर्द होता है। डॉ. पड़ियार ने अपनी तकनीक से इस स्तर को काफी कम कर दिया है। इससे इंजेक्शन कम दर्दनाक और मरीजों के लिए ज्यादा सुरक्षित हो सकते हैं।

कलेक्टर ने किया संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन का निरीक्षण

ब्यावरा-राजगढ़ । राजगढ़ कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन का निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन की आंतरिक व्यवस्थाओं, विभिन्न विभागों के कार्यालयों की स्थिति तथा चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन में संचालित सभी विभागों के कार्यालय साफ-सुथरे, व्यवस्थित एवं नागरिकों के अनुकूल दिखाई दें। उन्होंने कहा कि जहां आवश्यकता हो वहां आवश्यक निर्माण कार्य, मरम्मत एवं पार्टीशन कार्य पूर्ण कराया जाए, ताकि कार्यालयीन कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट भवन के सामने स्थित पार्क का भी अवलोकन किया। उन्होंने पार्क की सौंदर्यीकरण एवं सुरक्षा की दृष्टि से बाउंड्री में फेंसिंग कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही पार्क की नियमित साफ-सफाई एवं रखरखाव सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। कलेक्टर ने कहा कि कलेक्ट्रेट परिसर जिले का प्रमुख प्रशासनिक केंद्र है, इसकी व्यवस्था, स्वच्छता एवं सौंदर्य बनाए रखना सभी संबंधित विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्माण विभाग को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

देवास में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, पुतले दहन

पीएम, सीएम और तीन मंत्रियों के पुतले फूंके, पुलिस से धक्का-मुक्की हुई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

देवास में शहर कांग्रेस कमेटी ने भारतीय जनता पार्टी सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान नरेंद्र मोदी, मोहन यादव और प्रदेश के तीन मंत्रियों के पुतले जलाए गए।

पुतला दहन के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। मौके पर नगर निगम की वॉटर कैनन भी तैनात थी, इसके बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए पुतले जला दिए। शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गौतम ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला उनकी ट्रेड डील के विरोध में जलाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह डील देश और आम जनता के हितों के खिलाफ है।

प्रयास गौतम ने आरोप लगाया कि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विजय शाह और राजेंद्र शुक्ल द्वारा भारतीय सेना, महिलाओं और विभिन्न घटनाओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं।

बढ़ती गौशालाएं, फिर भी सड़कों पर गौवंश, आखिर कमी कहां?

दैनिक अवन्तिका ▸▸ जीरापुर।

नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों सड़कों पर घूमते गौवंश की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। एक ओर शासन द्वारा गौशालाओं के निर्माण और संचालन के लिए लाखों-करोड़ों रुपये का अनुदान दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर गायें सड़कों पर भटकने को मजबूर हैं। यह स्थिति कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

नगर की मुख्य सड़कों, बाजारों और चौराहों पर दिनभर गौवंश का जमावड़ा आम दृश्य बन चुका है। दुकानदारों और आम नागरिकों को अपनी सुरक्षा और आवागमन बनाए रखने के लिए कभी-कभी डंडे और लाठियों का सहारा लेना पड़ता है, जिससे गौवंश को भी पीड़ा सहनी पड़ती है। यदि स्थानीय व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता और गौसेवक आगे आकर व्यवस्था न संभालें, तो कई गायें भूख-प्यास से तड़पने को मजबूर हो जाती हैं। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में गौवंश सड़क दुर्घटनाओं का शिकार हो रहा है। तेज रफ्तार वाहनों और सड़कों पर बैठे या चलते पशुओं के कारण हादसे बढ़ रहे हैं, जिनमें न केवल गायों की जान जाती है बल्कि वाहन चालक भी घायल हो जाते हैं।

ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि जब लगातार नई-नई गौशालाएं बन रही हैं और अनुदान की राशि भी बढ़ रही है, तो फिर सड़कों पर गौवंश की संख्या क्यों बढ़ रही है? क्या गौशालाओं की क्षमता पर्याप्त नहीं है, या फिर व्यवस्थाओं में कहीं न कहीं गंभीर खामी है? क्या अनुदान का सही उपयोग हो रहा है, और क्या इसकी नियमित मॉनिटरिंग हो रही है-यह जांच का विषय है।

इस समस्या के समाधान के लिए आवश्यक है कि स्थानीय प्रशासन, नगर परिषद, गौशाला संचालक और आम नागरिक मिलकर जिम्मेदारी निभाएं। गौशालाओं की वास्तविक स्थिति और क्षमता की नियमित जांच हो, सड़कों से गौवंश को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं, और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए।

मुल्ताई निवासी देवेन्द्र कुमार जैन के साथ गुना के ब्रोकर्स ने की 10 लाख की ठगी

थाने में शिकायत कर मीडिया को बताई ठगी की कहानी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ गुना

जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत फरियादी देवेन्द्र कुमार जैन उम्र 54 वर्ष निवासी मुल्ताई जिला बैतूल मप्र को गुना के पहलवान सिंह कुशवाह, संजय दुबे और पंकज रावत प्रोपर्टी ब्रोकर्स ने जमीन का सौदा कर दस लाख रूपयों की धोखाधड़ी कर चूना लगाया है। जिसकी शिकायत फरियादी ने संबंधित सिटी कोतवाली थाने में दर्ज करते हुए मीडिया को अपनी पूरी कहानी बताई है कि आखिर वे किस तरह इन लोगों से धोखाधड़ी का शिकार हुए।

दरअसल पूरा मामला ये है कि पहलवान सिंह कुशवाह प्रोपर्टी ब्रोकर निवासी बूढ़े बालाजी गुना और उसके दो साथी संजय दुबे, पकंज रावत ने गवाह के समक्ष एक अनुबंध पत्र सम्पादित किया जिसमें ग्राम पूछरी तहसील घाटीगांव जिला ग्वालियर में भूमि सर्वे क्र.201/1 रकवा 5.8520 हैक्टर सर्वे क्रमांक 175/5 रकवा 0.8360 हैक्टर तथा सर्वे क्र. 174/1 रकवा 1.6720 हैक्टर भूमि का जिसमें सात कृषकों लक्ष्मण जाटव, बलवंत, हाकिम सिंह, सोनू जाटव, गजराज सिंह, मानसिंह, मोहनलाल जाटव की शामिल भूमि होना बताया गया। इस अनुबंध पत्र के सम्पादन के बाद फरियादी देवेन्द्र जैन से दि. 07.02.2025 पांच लाख रूपया नगदी एवं पांच लाख रूपया चैक क्र. 065434 बैंक ऑफ महाराष्ट्र रुपए चैक के माध्यम से संजय दुबे पुत्र रघुवीर को अदा कर दिए, जो उनके एकाउन्ट नं. 60441638535 बैंक ऑफ महाराष्ट्र में से निकासी भी हो गये। उक्त अनुबंध पत्र की मियाद के अंदर ही संजय दुबे, पंकज रावत और पहलवानसिंह कुशवाह से उक्त भूमि की रजिस्ट्री के लिये सम्पर्क किया गया तो यह पिछले एक वर्ष से टालमटोल कर रहे है। अब तो इनके मन में बेईमानी आ गई और खुलेआम धमकियां दे रहे है कि तुम्हे जो दिखे सो कर लो हमारा पुलिस भी कुछ नही बिगाड़ सकती। जबकि खास बात ये भी है कि संजय दुबे ने सौदा किया था जिसका पैसा 10 लाख शब्दों में प्राप्त कर लिए और 7 फरवरी 2025 यह कहते हुए हस्ताक्षर कर दिए कि मेरा इस शौदे में कोई लेना देना नही है मैं ये सौंदा अपनी मर्जी से छोड़ रहा हूं। फिलहाल इस मामले में पीड़ित ने पुलिस ने न्याय की मांग की है जिसकी पुलिस जांच कर रही है।

ट्रक से टकराई सब्जियों से भरी पिकअप, पुलिस ने रेस्क्यू कर बचाई जान

शाजापुर। राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर शुक्रवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा सामने आया है। सुनेरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत पनवाड़ी के पास सब्जियों से भरा एक पिकअप वाहन आगे चल रहे ट्रक से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह से पिचक गया और उसमें सवार चालक व परिचालक केबिन के अंदर ही बुरी तरह फंस गए। गनीमत यह रही कि समय पर पहुंची पुलिस की तत्परता से दोनों की जान बच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे एक पिकअप वाहन इंदौर से भारी मात्रा में सब्जियां लादकर उत्तर प्रदेश की ओर जा रहा था। इसी दौरान पनवाड़ी के समीप चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और पिकअप आगे चल रहे एक ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। हादसे के तुरंत बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

हिट एंड रन मामले का आरोपी गिरफ्तार

50 सीसीटीवी देखने के बाद आरोपी को पकड़ा, आरोपी को जेल भेजा

देवास। औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने चुनाखदान इलाके में हुए हिट एंड रन मामले के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना में 7 दिसंबर 2025 को 22 वर्षीय सुमित बाडवाल की मौके पर ही मौत हो गई थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुकेश पिता मांगीलाल बगाना (32) निवासी लसुड़िया ब्राह्मण, हाल मुकाम चुनाखदान के रूप में हुई है। एसपी पुनीत गेहलोद ने फरार आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) जयवीरसिंह भदौरिया और नगर पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शशिकांत चौरसिया के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल और आसपास के 50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दुर्घटना में शामिल पिकअप वाहन की पहचान की गई। वाहन मालिक से पूछताछ के बाद आरोपी मुकेश बगाना को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दुर्घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन और उससे संलग्न मिक्सर मशीन जब्त की है। पुलिस कार्रवाई के दौरान आरोपी ने सार्वजनिक रूप से दादागिरी और कानून के प्रति अनादर प्रदर्शित किया। इस पर पुलिस ने धारा 170 बीएनएसएस के तहत वैधानिक कार्रवाई की। आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

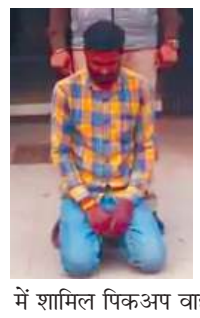

कंपनी की पहल से शासकीय हाईस्कूल खारपा में स्मार्ट क्लास स्थापित

जीरापुर। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक एवं एडवांस तकनीक से जोड़कर उनकी शिक्षा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से इंडीग्रिड कंपनी द्वारा शासकीय हाई स्कूल खारपा में एक कक्ष को स्मार्ट क्लास के रूप में विकसित किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह है कि ग्रामीण बच्चे भी आधुनिक तकनीक के साथ अपनी शिक्षा को सशक्त बनाते हुए भविष्य की प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ सकें। इंडीग्रिड कंपनी ने विद्यालय को 65 इंच की एलईडी एवं एक वर्ष के लिए वाई-फाई सुविधा उपलब्ध कराई। साथ ही कक्ष में फर्श, छत पर डेम्परू, वाल पुट्टी, प्लास्टिक पेंट एवं आकर्षक वॉल पेंटिंग कर कक्ष को पूरी तरह आधुनिक स्वरूप दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अमित कुमार श्रीवास्तव (इंडीग्रिड आरटीसीएल प्रभारी) उपस्थित रहे। अन्य अतिथियों में निपेंद्र साहू (एचआर), आलोक सिंह, खातिरूल इस्लाम, संतोष कुमार (सहयोग केयर फॉर यू), मंगीलाल मंडलोई (प्राचार्य, हाई स्कूल बाढ़ गांव), महेश भावसार (समाजसेवी) एवं सरपंच प्रतिनिधि राम विलास किरार शामिल रहे। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य राधेश्याम पुरविया एवं भंवर लाल वर्मा द्वारा किया गया। विद्यालय परिवार ने इंडीग्रिड कंपनी एवं सहयोग केयर फॉर यू का अभिनव पहल के लिए आभार व्यक्त किया।

जाहिर सूचना

मेरे पक्षकार एस.एम.एफ.जी इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड उज्जैन (म.प्र.) की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि भूखण्ड क्रमांक 07, स्थित राम रतन शर्मा मार्ग गली नं 02 उज्जैन (म.प्र.) में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 252.41 वर्गमीटर है। जिसके पूर्व मे- राम रतन शर्मा मार्ग की गली व आम रास्ता, पश्चिम मे नगर पालिक निगम पार्किंग, उत्तर मे-कॉमन पैसेज, दक्षिण मे मंत्री लोज स्थित है। उक्त सम्पत्ति शकील अहमद पिता स्व. रफीक अहमद, शन्ना खान पुत्री स्व. श्री रफीक अहमद एवं मिनु हुसैन पति रहमान हुसैन, सिद्दीक अहमद पिता फजल अहमद एवं नाजनीन खान पति शरीक खान को पैतृक संपत्ति के रूप में प्राप्त हुई थी । तथा शकील अहमद आदि ने विक्रय करने का अनुबंध सोहेल अहमद, सोहेब शेख एवं समीर पिता अब्दुल रसीद से किया है। सोहेल अहमद आदि ने उक्त संपत्ति पर ऋण प्राप्त करने हेतु एस.एम. एफ.जी इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड में आवेदन किया हैं तथा मेरे पक्षकार उक्त सम्पत्ति बंधक करने जा रहे हैं, अतः सूचित किया जाता हैं कि यदि उक्त सम्पत्ति में अन्य किसी का कोई हक, हित, हिस्सा, अधिकार आदि हो या उक्त सम्पत्ति पर किसी बैंक, व्यक्ति, प्राइवेट संस्था, पैढी आदि का कोई लेना-देना बकाया हो या उक्त सम्पत्ति के स्वामित्व या कब्जे के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो या परिवार के किसी सदस्य को आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति मय लेखी प्रमाण के विधिवत रूप से मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। ताकि उसका उचित निराकरण करवाया जा सकें। उक्त अवधि में कोई आपत्ति नहीं आने पर एस.एम.एफ.जी इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड द्वारा उक्त सम्पत्ति पर ऋण स्वीकृत करने हेतु आगामी कार्यवाही की जावेगी। तथा ऋण स्वीकृत किया जाने की दशा में उक्त सम्पत्ति पर प्रथम ऋण भार एस.एम.एफ.जी इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड का रहेगा। बाद में किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित हो ।

तेजपाल परिहार एडवोकेट
ऑफिस क्रमांक 11, भवन क्रमांक 87/3 तुलसी कॉम्पलेक्स विक्रम मार्ग टॉवर चौराहा फ्रीगंज, उज्जैन
मोबाइल न. 9301860352

शुजालपुर में युवक का शव मिलने से सनसनी जहरीला पदार्थ सेवन की आशंका

शुजालपुर। सिटी थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम कड़वाला में शुक्रवार अल सुबह एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान कडवाला गांव निवासी धारा सिंह पिता रामचरण करंजिया 21 वर्ष के रूप में हुई है। वह अविवाहित था तथा एक हार्डवेयर दुकान पर कार्य करता था। परिजनों के अनुसार धारा सिंह गुरुवार शाम करीब पांच बजे अपनी बहन के गांव सकेंड़ी जाने की बात कहकर घर से निकला था। शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने उसे चौकी शाहपुर मार्ग पर अचेत अवस्था में पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को शव के पास सल्फ ास की दो खाली पुडिया मिलीं। प्रारंभिक रूप से जहरीला पदार्थ सेवन करने की आशंका जताई जा रही है। रात भर हुई बारिश के कारण शव पूरी तरह भीगा हुआ मिला। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

14 मार्च को नेशनल लोक अदालत प्री-सिटिंग बैठकों में दिए दिशा-निर्देश

शुजालपुर। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर के निदेर्शानुसार वर्ष 2026 की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च 2026 को जिला न्यायालय शाजापुर एवं सिविल न्यायालय शुजालपुर में किया जाएगा। लोक अदालत को सफ ल बनाने तथा अधिक से अधिक प्रकरणों का आपसी समझौते से निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्री-सिटिंग बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। तहसील शुजालपुर अंतर्गत अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति एवं तृतीय जिला न्यायाधीश सपना पोर्ते की अध्यक्षता में आयोजित बैठकों में संबंधित पक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में तहसील न्यायालय के न्यायाधीशगण, अभिभाषक संघ शुजालपुर के पदाधिकारी व अधिवक्ता तथा बीमा कंपनियों के अधिवक्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान राजीनामा योग्य प्रकरणों के अधिकतम निराकरण पर जोर दिया गया। विशेष रूप से मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण से संबंधित मामलों एवं धारा 138 एन आई एक्ट के प्रकरणों के त्वरित निस्तारण पर चर्चा की गई। लोक अदालत में आपराधिक, सिविल, वैवाहिक, धन वसूली तथा मोटर दुर्घटना दावा संबंधी प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। पक्षकारों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर लोक अदालत का लाभ उठाएं।

मंत्रियों की टिप्पणी के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस का प्रदर्शन लोकतांत्रिक मयार्दा के विपरित बताया

शुजालपुर। ब्लॉक कांग्रेस ने शुक्रवार दोपहर 3 बजे शुजालपुर सिटी स्थित अंबेडकर पार्क में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा विधानसभा सदन में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी तथा मंत्री करण सिंह वर्मा के अपमानजनक शब्दों पर नाराजगी जताई। कांग्रेस नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक मर्यादा के विपरीत बताते हुए दोनों मंत्रियों की सद्बुद्धि की कामना की। इस दौरान पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

5वीं-8वीं की परीक्षाओं में नियम ताक पर, अपने ही स्कूल के शिक्षकों ने करवाई परीक्षा

शाजापुर। जिले में चल रही कक्षा 5वीं और 8वीं की वार्षिक परीक्षाओं में शिक्षा विभाग की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। परीक्षा में पारदर्शिता बनाए रखने के नियमों को दरकिनार करते हुए कई केंद्रों पर उन्हीं शिक्षकों की ड्यूटी लगा दी गई है, जो उन बच्चों को नियमित रूप से पढ़ाते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले के आला उमरोद, खेड़ा पहाड़, सांप खेड़ा और पिपल्या गोपाल सहित कुल 5 स्कूलों के विद्यार्थी कक्षा 5 और 8 की परीक्षा दे रहे थे। जब परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया गया, तो यह चौंकाने वाली बात सामने आई कि परीक्षा कक्ष में जो शिक्षक पर्यवेक्षक की भूमिका निभा रहे थे, वे कोई और नहीं बल्कि उन्हीं स्कूलों और कक्षाओं के शिक्षक थे। सूत्रों के अनुसार शिक्षा विभाग के स्पष्ट नियमानुसार, बोर्ड पैटर्न पर आधारित इन परीक्षाओं में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए क्रॉस-ड्यूटी लगाई जाती है। यानी जिस स्कूल के बच्चे परीक्षा दे रहे हों, वहां पर्यवेक्षक के रूप में अनिवार्यतः किसी अन्य स्कूल के शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जानी चाहिए, लेकिन नियमों की इस तरह से अनदेखी ने परीक्षा व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अपने ही स्कूल के शिक्षकों द्वारा परीक्षा करवाने से नकल और पक्षपात की संभावना बनी रहती है। अब देखना यह है कि शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी इस लापरवाही का संज्ञान लेकर केंद्र प्रभारियों और जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई करते हैं।

आष्टा मार्ग पर दो चार पहिया वाहन टकराए तो तलेन रोड पर स्कूटी को मारी टक्कर

नेशनल हाईवे पर हुए दो सड़क हादसे, दो की मौत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

नेशनल हाईवे 752 सी पर क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर सड़क दुर्घटना हुई। एक दुर्घटना तलेन मार्ग पर हुई, जिसमें स्कूटी पर सवार महिला की मृत्यू हो गई, उधर आष्टा मार्ग पर होटल तनिषी के समीप शुक्रवार की सुबह दो चार पहिया वाहन आमने सामने टकरा गए। इस दुर्घटना में एक 77 वर्षीय ग्रामीण की मौत हो गई साथ ही चार घायल हो गए, जिसमें से एक की हालत नाजुक बताई जा रही है।

बहन की शादी के लिए आई थी

पचोर शुजालपुर मार्ग पर एक्टीवा को एक कार ने गुरूवार की शाम को टक्कर मारी, मिली जानकारी अनुसार लक्ष्मी पत्नी संतोष मीणा निवासी पांगरी जिला सीहोर अपनी छोटी बहन के विवाह समारोह में शामिल होने के लिए तलेन के समीप धुंआखेडी गांव आई थी, जहां से अपनी बहन के साथ शुजालपुर खरीदारी करने के बाद एक्टीवा से वापस गांव जा रही थी इसी दरमियान तलेन मार्ग पर कार ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में लक्ष्मी को गंभीर चोट आने से मृत्यू हो गई, साथ ही बहन भी गंभीर रूप से घायल हुई।

कांच टूटने के बाद बाहर गिरा चालक

आष्टा-शुजालपुर मार्ग पर शुक्रवार की सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ, बता दे इस हाईवे पर किशोनी जोड के समीप मार्ग की चौड़ाई कम हो जाती है, जहां पर अक्सर हादसे होते है। आष्टा तहसील के गोंदी गांव से विवाह समारोह में शामिल होने के लिए ग्रामीण शुजालपुर आ रहे थे, सुबह लगभग 8 बजे वेगनॉर में सवार इन ग्रामीणों का वाहन सामने आ रही मारूति वेन से सीधे टकराया, इस दुर्घटना में बद्रीप्रसाद परमार पिता बावलजी परमार 77 वर्ष निवासी गोंदी की मृत्यू हो गई, उधर मुकेश परमार, देवीलाल परमार व ज्ञान सिंह घायल हो गए, जिन्हे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में मुकेश परमार को पैरों में गंभीर चोटे आई। वेगनॉर से टकराने वाली मारूति वेन को कृष्णानगर कॉलोनी शुजालपुर निवासी दुध व्यवसायी मजहर लाला पिता मसूद चला रहा था और शुजालपुर से गांवों में दुध लेने के लिए जा रहा था, दुर्घटना इतनी भीषण थी कि मजहर लाल कार के सामने के शीशे टूटने के बाद सड़क काफी दुर तक घिसटाता रहा। दुध व्यवसायी मजहर लाल के दोनों पैर में गंभीर चोट होने के साथ ही हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में दुर्घटना का मामला दर्ज किया।

बारिश से फसलों को भारी नुकसान

किसान चिंतित, सर्वे कर मुआवजा देने की मांग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

क्षेत्र में हुई बेमौसम बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। पिछले दो दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश और तेज हवाओं के कारण खेतों में खड़ी गेहूं, चना, सरसों सहित अन्य रबी फसलों को नुकसान पहुंचा है। कई स्थानों पर फ सलें जमीन पर गिर गईं, जिससे उत्पादन घटने की आशंका बढ़ गई है। किसानों ने बताया कि फ सल कटाई की तैयारी चल रही थी, लेकिन अचानक बदले मौसम ने चिंता बढ़ा दी। जिन खेतों में गेहूं पककर तैयार था, वहां बारिश के कारण दाने काले पड़ने और अंकुरित होने का खतरा है। वहीं चना और सरसों की फसल में नमी बढ़ने से गुणवत्ता प्रभावित होने की संभावना जताई जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तेज हवा के साथ हुई बारिश से फ सलें अधिक प्रभावित हुई हैं। किसानों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों तक मौसम साफ नहीं हुआ तो नुकसान और बढ़ सकता है।

किसानों ने प्रशासन से सर्वे कराकर फसल नुकसान का आकलन कराने और उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। उनका कहना है कि बढ़ती लागत और बाजार में अनिश्चित दाम के बीच यह प्राकृतिक मार आर्थिक संकट को और गहरा कर सकती है। क्षेत्र में बुधवार की शाम से बदले इस मौसम के कारण तापमान में भी गिरावट हुई है, शुक्रवार की सुबह जहां तेज बारिश हुई वही दिनभर आसमान में बादल छाए रहे और बुंदाबांदी का दौर चलता रहा।

इमली स्टैंड नाले को बनाया कूड़ा घर, रहवासियों ने जताई बीमारी की आशंका

दैनिक अवन्तिका ▸▸ खिलचीपुर

खिलचीपुर शहर के इमली स्टैंड स्थित डेडा पुलिया के नाम से पहचाना जाने वाला गन्दा नाला इन दिनों नाले के पास स्थित मकानों द्वारा फैलाई जा रही गंदगी ने स्थानीय लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। इमली स्टैंड नाले के पास बने घरों से भारी मात्रा में कचरा सीधे नाले में फेंका जा रहा है, जिससे नाला पूरी तरह जाम होने की कगार पर है।

गंदगी से बढ़ रहा बीमारियों का खतरा

स्थानीय लोगों ने बताया कि नाले के किनारे बने मकानों के लोग सारा कचरा और गंदगी सीधे पानी में डाल रहे हैं। इसके चलते पूरे क्षेत्र में भीषण दुर्गंध फैल रही है और मच्छर पनप रहे हैं। रहवासियों को डर है कि इस गंदगी की वजह से क्षेत्र में कभी भी कोई बड़ी बीमारी या महामारी फैल सकती है। लोगों ने कचरा फेंकने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

नगर परिषद की चेतावनी

इस गंभीर मामले पर संज्ञान लेते हुए नगर परिषद सीएमओ देवनारायण दांगी ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि नाले में कचरा फेंकना पूरी तरह अवैध है। ऐसे लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा और जुर्माना वसूलने की कार्यवाही की जाएगी, ताकि स्वच्छता व्यवस्था बनी रहे।

अशोभनीय और अमर्यादित भाषा के विरोध में पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

अनर्गल बयानबाजी करने और वैमनस्यता फैलाने वाले मंडल की पार्षद रामवीर ने की घोर निंदा

प्रेस कांफ्रेंस में पार्षद जाटव ने कहा दामोदर यादव मंडल माफी मांगे या अपने बयान वापस लें

दैनिक अवन्तिका ▸▸ गुना

जिले की विधानसभा राघौगढ़ और आरोन में आयोजित सभा के दौरान भीम आर्मी/आजाद समाज पार्टी के नेता दामोदर यादव मण्डल के भाषणों को लेकर शहर में सियासी हलचल तेज हो गई हैं। 17 फरवरी को आयोजित एक कार्यक्रम में आपत्तिजनक बयानबाजी का आरोप लगाते हुए वार्ड 21 के कांग्रेस पार्षद रामवीर जाटव ने अपने लेटरपेड पर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने ज्ञापन में संबंधित नेता के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की मांग की गई है और अशोभनीय तथा अमर्यादित भाषा का उपयोग करने पर कड़े शब्दों में निंदा की है। इसके साथ ही पार्षद ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि यादव मंडल सार्वजनिक रूप से माफी मांगे या अपने बयान वापस लें।

ज्ञापन कार्यक्रम के बाद आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्षद रामवीर ने कहा कि इस तरह के भडकाऊ बयान सामाजिक सौहार्द्र और कानून-व्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं। उनकी भाषा शैली ठीक नही है उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह और मध्यप्रदेश के भावी भविष्य राघौगढ़ विधायक जयवर्धनसिंह के बारे में अनर्गल बयानबाजी करके वैमनस्यता फैलाने का काम किया है। पार्षद श्री जाटव का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह राजनीति में उनके आदर्श हैं वे दिलों पर राज करने वाले राजा हैं। उनके पुत्र युवराज जयवर्धनसिंह उनके नक्शे कदम पर चल रहे हैं इसलिए ऐसी बयानबाजी से उनके आत्मसम्मान को ठेंस पहुंचाना यानि उनके कार्यकर्ता को ठेंस पहुंचाना है। कांग्रेस पार्षद रामवीर जाटव ने कहा कि यह अपमान वे हरगिज नही सहेंगे चाहे उन्हे आंदोलन ही क्यों न करना पड़े। उन्होंने पुलिस और प्रशासन से मांग की है कि भीम आर्मी/आजाद समाज पार्टी के नेता दामोदर यादव की आमसभा/रैली पर रोक लगाई जाए और उनके विरूद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाए।

भडकाऊ भाषण देना अत्यंत दुर्भाग्य एवं निंदनीय

प्रेस कॉन्फ्रेंस के उन्होंने कहा कि मैं स्वयं अनुसूचित जाति जाटव समाज से संबंध रखता हूँ एवं वर्तमान में वार्ड क्र.21 से पार्षद हूँ। और यह स्पष्ट करना चाहता हूँ कि किसी भी जाति, वर्ग और नाम पर समाज में भडकाऊ भाषण देना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय है। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद श्री सिंह ने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल में दलित, आदिवासी, पिछड़े, अल्पसंख्यक एवं सामान्य सभी वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया है। व्यक्तिगत रूप से भी जब मैं कठिन परिस्थितियों में था तब उन्होंने मेरा सहयोग किया, जबकि तथाकथित सामाजिक संगठन के नेता अनुपस्थित रहे। दिग्विजय सिंह द्वारा एससी/एसटी महिलाओं एवं वंचित वर्गों के लिये प्रमुख कार्य मुख्यमंत्री कार्यकाल वर्ष 1993 से 2003 तक किए गए। वे आज भी हर वर्ग विशेष के संकट में साथ खड़े दिखाई देते हैं। ऐसे हमारे आदर्श राष्ट्रीय नेता को सार्वजनिक मंचों से असंवैधानिक भाषा से कोसना घोर निंदनीय कृत्य है।

22 फरवरी अति-विष्णु यज्ञ एवं वसन्तोत्सव मेला

खिलचीपुर। राजगढ़ रोड स्थित बड़ा मेला ग्राउंड पर आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर होने जा रहा है। कैवल्य योग आश्रम न्यास (दोलाज-खिलचीपुर) के तत्वावधान में और वाचस्पति डॉ. स्वामी रघुनाथानंदजी श्री 'अवधूत' की प्रेरणा से इस वर्ष भी भव्य 'अति-विष्णु यज्ञ एवं वसन्तोत्सव मेला' का आयोजन 22 फरवरी 2026 से शुरू होकर 3 अप्रैल 2026 तक चलेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 22 फरवरी (रविवार) को फाल्गुन पंचमी के शुभ अवसर में सुबह 10:30 से 11:30 बजे के बीच वृषभ लग्न में विधि-विधान से ध्वजारोपण शुरू होगा। वहीं 22 फरवरी से 6 मार्च तक नवग्रह शांति अनुष्ठान संपन्न होंगे।शोभायात्रा और यज्ञ की प्रमुख तिथियाँ ,7 मार्चः भव्य जल यात्रा (शोभा यात्रा) मार्च चैत्र कृष्ण चतुर्थी शनिवार समय 10:45 से निकाली जाएगी। 8 मार्चः मण्डल निर्माण का कार्य होगा, 9 मार्चः दोपहर 3:15 बजे अरणी मंथन के साथ अग्नि प्रज्वलित की जाएगी,10 मार्च से 2 अप्रैलः प्रतिदिन प्रातः 8 से 11 और दोपहर 1 बजे से यज्ञ-हवन की आहुतियाँ डाली जाएंगी। 3 अप्रैलः शुक्रवार को चित्रा नक्षत्र में महायज्ञ की पूणार्हुति होगी।गाड़गंगा में अमृत स्नान का महत्व महोत्सव के दौरान पुण्य सलिला गाड़गंगा में पवित्र स्नान के तीन विशेष योग बन रहे हैं,मीन संक्रांतिः 14 मार्च (शनिवार) वारुणी पर्वयोगः 17 मार्च (मंगलवार),चैत्र पूर्णिमाः 2 अप्रैल (गुरुवार) न्यास द्वारा समस्त धर्मप्रेमी जनता को इस दिव्य आयोजन में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का करबद्ध निवेदन किया गया है।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के प्रमाण पत्र वितरित

सुसनेर। सांदीपनि शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। यह परीक्षा 21 नवंबर 2025 को गायत्री तीर्थ शांतिकुंज के तत्वावधान में आयोजित की गई थी। विद्यालय स्तर पर आयोजित इस परीक्षा में कक्षा 5वीं से 12वीं तक कुल 279 विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ था. जिनमें से 269 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में सादगीपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में प्रमाण पत्र वितरण समारोह संपन्न हुआ। भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के मार्गदर्शक शिक्षक शिवलाल दाँगी के सानिध्य में विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्रमाण पत्र प्राप्त कर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे और विद्यालय में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर सहयोगी शिक्षक कमलेश राठौर, अभिषेक पांडे, संतोष जादमे, कुलदीप जैन, पंकज जोनवाल, शफीक काजी, चेतना शर्मा, राजश्री देवड़ा एवं कविता सोलंकी ने प्रमाण पत्र वितरण में विशेष भूमिका निभाई। विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

बे मौसम बरसात से सड़कों पर आ गया कीचड़ रहवासीगण परेशान

खाचरौद। नगर में बेमौसम बरसात होने से दैनिक जीवन अस्त पस्त हो गया। शादीयो के सीजन और अचानक बरसात होने पर ठण्ड ने पुरे शहर को आगोश मे ले लिया। पुरा नगर तरबतर हो गया बेमौसम बरसात से किसान के चेहरे पर चिंता की लकीर आ गई।खड़ी फसलो को नुक्सान हो रहा हे। ठण्डीशीतलहर से फसले चैपट होगई। गणेश देवली पर चंद मिनट में नाली का गंदा पानी से सड़के पट गई। नगरपालिका की पोले पुनः खुल गई। नालीयो की सफाई नही होने से ये हालात हो गये। सड़क पर गंदा कीचड़ हो गया। गणेशदेवली के आसपास सभी धर्मशाला में शादीयॉ होने से रिश्तेदारो को गंदे कीचड से होकर गुजरना पड़ रहा है। सभीजन परेशान हो रहे है। नगरीय प्रशासन ध्यान नही दे रहा है रहवासीयो मे आक्रोश बढ़ रहा है।

निजी व्यय से शासकीय विद्यालय निर्माण में सहयोग

राजगढ़-ब्यावरा। समाज में शिक्षा के प्रति समर्पण और जनभागीदारी का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नरसिंहगढ़ क्षेत्र के ग्राम बाड़ी ग्राम पंचायत चैनपुरकलां में शासकीय प्राथमिक विद्यालय के निर्माण में निजी व्यय से विशेष सहयोग प्रदान किया। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने देवेंद्र सिंह राठौड़ को प्रशंसा-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने कहा कि जब समाज के सजग नागरिक शिक्षा जैसे पवित्र कार्य में आगे आते हैं, तो विकास की गति कई गुना बढ़ जाती है। विद्यालय निर्माण में दिए गए सहयोग से विद्यार्थियों को बेहतर अधोसंरचना और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण प्राप्त होगा, जो उनके सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सशक्त समाज की आधारशिला है। ऐसे प्रयास न केवल बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को दिशा देते हैं, बल्कि पूरे क्षेत्र में प्रेरणा का संचार करते हैं। साथ ही विद्यालय परिवार एवं ग्रामवासियों ने भी योगदान के प्रति हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहयोग से बच्चों को सुरक्षित, सुविधा जनक और प्रेरक शिक्षण वातावरण मिलेगा। जिला प्रशासन ने आशा व्यक्त की है कि समाज के अन्य नागरिक भी शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास के क्षेत्रों में इसी प्रकार आगे आकर सहभागिता निभाएँगे, ताकि जिले को प्रगति की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया जा सके।

विप्र सेना के शुजालपुर विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त

शुजालपुर। विप्र सेना मध्य प्रदेश ने संगठन विस्तार के तहत एडवोकेट पं. दीपक शर्मा को शुजालपुर विधानसभा अध्यक्ष मनोनीत किया है। यह नियुक्ति प्रदेश प्रभारी पं. सुनील शर्मा एवं जिलाध्यक्ष पं. दिनेश शर्मा कालापीपल की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष पं. रोहित नागर द्वारा राष्ट्रीय प्रमुख पं. सुनील तिवारी की सहमति से की गई। संगठन पदाधिकारियों ने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में समाजहित के कार्यों को गति मिलेगी। नियुक्ति पर समाजजनों ने बधाई दी।

आप किसी भी परीक्षा की तैयारी में इन टिप्स की मदद से आप बेहतर तैयारी कर सकते हैं और परीक्षा को क्रैक कर सकते हैं।

सामान्य ज्ञान

यहां बच्चों के लिए विभिन्न सामान्य ज्ञान के सवाल-जवाब बता रहे हैं। यहां देश, सेना, इतिहास और खेल से संबंधित विषय पर आधारित बातों के बारे में जानने को मिलेगा।

• किस जानवर को 'रेगिस्तान का जहाज' कहा जाता है?
उत्तरः ऊँट
• एक सप्ताह में कितने दिन होते हैं?
उत्तरः सात
• सामान्य वर्ष में कितने दिन होते हैं?
उत्तरः 365 (लीप वर्ष नहीं)
• इंद्रधनुष में कितने रंग होते हैं?
उत्तरः 7
• अंग्रेजी वर्णमाला में कितने अक्षर हैं?
उत्तरः 26
• अंग्रेजी वर्णमाला में कितने व्यंजन हैं?
उत्तरः 21
• त्रिभुज में कितनी भुजाएँ होती हैं?
उत्तरः तीन
• वर्ष के किस महीने में दिनों की संख्या सबसे कम है?
उत्तरः फरवरी
• अंग्रेजी वर्णमाला श्रृंखला में स्वर कौन से हैं?
उत्तरः ए, ई, आई, ओ, यू
• किस जानवर को जंगल का राजा कहा जाता है?
उत्तरः शेर
• कितने प्राथमिक रंग हैं?
उत्तरः तीन (लाल, पीला, नीला)
• लीप वर्ष में फरवरी महीने में कितने दिन होते हैं?
उत्तरः 29 दिन
• बर्फ से बने घर को क्या कहते हैं?
उत्तरः इग्लू
• विश्व का सबसे बड़ा जानवर कौन सा है?
उत्तरः नीली व्हेल
• पृथ्वी पर सबसे लंबा जानवर कौन सा है?
उत्तरः जिराफ

इन टिप्स के साथ...

कोई भी परीक्षा कर सकते हैं क्लियर

किसी भी परीक्षा में सफल होने के लिए अभ्यर्थियों को तैयारी की जरूरत होती है। क्योंकि बिना तैयारी के किसी भी परीक्षा को पास नहीं किया जा सकता है। अक्सर देखा जाता है कि स्टूडेंट्स अच्छी तैयारी के बावजूद या फिर गलत पैटर्न से तैयारी करने के चलते परीक्षा क्लियर नहीं कर पाते हैं। स्टूडेंट्स की इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए हम कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं, जिसकी मदद से अभ्यर्थी कोई भी परीक्षा क्लियर कर सकते हैं। आइए जानते हैं.....

टाइम-टेबल का करें पालन

परीक्षा के दौरान समय को मैनेज करने के लिए छात्रों को पढ़ाई के लिए टाइम टेबल जरूर बनाना चाहिए। एक प्रभावी स्ट्रैटेजी बनाने से आप अच्छी तैयारी कर पाएंगे। एक्सपर्ट्स का मानना है कि टाइम-टेबल बनने की वजह से किसी भी एग्जाम की तैयारी बेहतर होती है। टाइम टेबल में बोरिंग से बचने के लिए ब्रेक को भी जरूर शामिल करें।

आवश्यकता के अनुसार तय करें प्रियारिटी

अपने कार्यों को प्राथमिकता देना जरूरी है। उन विषयों पर ध्यान केंद्रित करें जो आपको सबसे चुनौतीपूर्ण लगते हैं, क्योंकि इनमें सबसे अधिक समय और प्रयास की आवश्यकता होती है। उन कार्यों की सूची बनाएं जिन्हें आपको पूरा करने की आवश्यकता है और उनका निर्धारण समय के अनुसार करें। इससे तैयारी करने में आसानी होगी।

कैलेंडर का करें प्रयोग

परीक्षा के दौरान अपने समय को मैनेज करने के लिए कैलेंडर के नोटिफिकेशन का उपयोग करना चाहिए। अपने कैलेंडर को एक निश्चित समय के लिए ब्लॉक करें और उस दौरान पढ़ाई पर ध्यान दें। जब आप तैयारी के दौरान थक जाएं तो ब्रेक लें। क्योंकि इससे आपको ध्यान केंद्रीत करने में मदद मिलेगी। साथ ही आप थकेंगे भी नहीं।

ध्यान केंद्रीत रहने के लिए फोन आदि को रखें बंद

पढ़ाई के दौरान आपका ध्यान न भटके इसलिए फोन सहित अन्य ध्यान भटकाने वाले उपकरणों बंद रखें। कोशिश करें कि अपने लिए एक ऐसा रूम या जगह चुने, जहां पर शोरगुल न हो। क्योंकि, अक्सर घर के सदस्य ऊंची आवाज में बात करते हैं तो पढ़ाई से ध्यान हट जाता है।

ब्रेक लेकर करें पढ़ाई

किसी भी परीक्षा की तैयारी के दौरान छात्रों को ब्रेक लेकर परीक्षा करनी चाहिए। लगातार पढ़ाई न करें। क्योंकि आप पढ़ा हुआ भूल भी सकते हैं। साथ ही पढ़ाई से आपका ध्यान भी भटक सकता है। एक्सपर्ट्स की मानें पढ़ाई के दौरान 25 मिनट का ब्रेक लेना अच्छा माना जाता है। ब्रेक के दौरान छात्रों को टहलना भी चाहिए।

अच्छी नींद जरूर लें

तैयारी के दौरान अच्छी नींद जरूर लें। हर रात में कम से कम 7 घंटे जरूर सोएं। इससे आप रिफ्रेश महसूस करेंगे। साथ ही आपका पढ़ने में मन भी लगेगा। अगर आप रात में अच्छी नींद नहीं लेंगे तो पूरा दिन तैयारी में मन नहीं लगेगा।

अनुशासित रहें

किसी भी परीक्षा की तैयारी के दौरान व्यवस्थित और अनुशासित रहें। इससे आपको परीक्षा के दौरान मदद मिलेगी। अपने अध्ययन सामाग्री को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखें और सुनिश्चित करें कि अध्ययन शुरू करने से पहले आपके पास वह सब कुछ है जिसकी आपको आवश्यकता है।इससे वस्तुओं की तलाश में आपका समय बचेगा। साथ ही आप बिना किसी अवरोध के पढ़ाई में ध्यान लगा सकेंगे।

रंग भरकर चित्र बनाओ

रास्ता खोजो

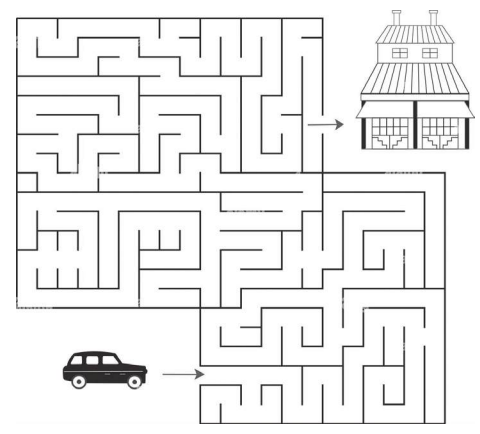

बिंदु जोड़कर चित्र बनाओ

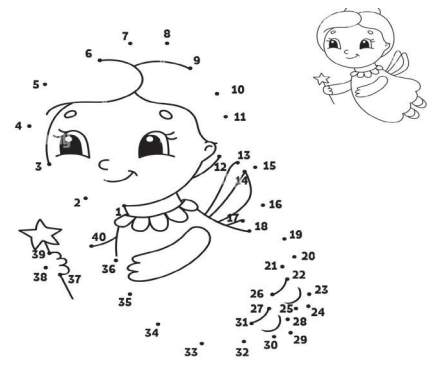

Sport

भारत और पाकिस्तान सुपर-8 में अलग-अलग ग्रुप में हैं, इसलिए वहां मुकाबला संभव नहीं। लेकिन यदि दोनों टीमें अपने-अपने सुपर-8 ग्रुप में टॉप-2 में रहकर अलग-अलग पोजिशन पर खत्म करती हैं, तो सेमीफाइनल में भिड़ सकती हैं। समान स्थान पर रहने पर फाइनल में टकराव की संभावना बनेगी।

ऐसा हुआ तो फिर होगा महामुकाबला!

भारत-पाकिस्तान आ सकते हैं आमने-सामने

नई दिल्ली। टी20 विश्वकप 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। अब तक इस विश्वकप में कई दिलचस्प मुकाबले देखने को मिले हैं। 2021 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया का ग्रुप स्टेज से बाहर होना चौंकाने वाला रहा। वहीं, जिम्बाब्वे ने अपने खेल से सभी को प्रभावित किया। कई एसोसिएट टीमें भले ही सुपर-आठ के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाईं हों, लेकिन उनक कई खिलाड़ियों ने बल्ले और गेंद से सुर्खियां बटोरीं। टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले कई विवाद हुए, लेकिन यह विवाद भारत और पाकिस्तान के बीच होने के साथ ही शांत हो गया।

भारत ने ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी

टीम इंडिया ने ग्रुप-ए के मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 61 रन से करारी शिकस्त दी और पड़ोसियों और उनके फैंस का मुंह बंद कर दिया। पाकिस्तान ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का एलान किया था और तब वहां के क्रिकेट पंडित और फैंस फर्जी बयानबाजी करते दिखे थे। फिर आईसीसी के चाबुक के डर से टूर्नामेंट शुरू होते-होते पाकिस्तान ने यू-टर्न ले लिया और टीम इंडिया के खिलाफ खेलने को तैयार हो गए।

भारत और पाकिस्तान के बीच मैच एकतरफा तो रहा, लेकिन दोनों देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता देखने लायक होती है। अब फैंस यह जानना चाहते हैं कि क्या इन दो देशों के बीच फिर से मुकाबला हो सकता है?

ग्रुप स्टेज में भारत शीर्ष पर, पाकिस्तान दूसरे स्थान पर

भारतीय टीम ने ग्रुप-ए में अपने सभी मैच जीते और अंक तालिका में शीर्ष पर रही। वहीं, पाकिस्तान की टीम चार में से तीन मैच जीतकर ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर रही। उसे सुपर-आठ में पहुंचने के लिए जूझना पड़ा और नामीबिया के खिलाफ आखिरी मैच को जीतकर सुपर-आठ के लिए क्वालिफाई करने में कामयाब रही। 2009 की टी20 चैंपियन पाकिस्तान टीम में कई खामियां देखने को मिलीं और नीदरलैंड्स अगर उन्हें पहले मुकाबले में हरा देता तो टीम बाहर भी हो सकती थी। पाकिस्तान नीदरलैंड्स के खिलाफ ग्रुप-ए मुकाबला तीन गेंद शेष रहते जीता था।

क्या फिर से हो सकता है भारत-पाकिस्तान मुकाबला?

इस टूर्नामेंट में 20 टीमों ने हिस्सा लिया था। सभी टीमों को पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप्स में बांटा गया। हर ग्रुप से शीर्ष-दो टीमों ने सुपर आठ राउंड के लिए क्वालिफाई किया। अब सुपर-आठ राउंड में चार-चार टीमों के दो ग्रुप्स बने हैं और टीमें आईसीसी द्वारा पहले से ही तैयार की गई सीडिंग्स के अनुसार तय की गई हैं। सुपर आठ राउंड में भारत को ग्रुप-1 में जबकि पाकिस्तान को ग्रुप-2 में जगह मिली है। टीम इंडिया के ग्रुप में वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे की टीमें हैं। वहीं, पाकिस्तान के ग्रुप में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और श्रीलंका की टीमें हैं।

सुपर आठ राउंड में प्रत्येक ग्रुप की एक टीम अपने ग्रुप में मौजूद तीन अन्य टीमों के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगी। ऐसे में भारत और पाकिस्तान की टीमें दो अलग-अलग ग्रुप में होने के कारण एक-दूसरे से तो नहीं भिड़ेंगी। सुपर-आठ में दोनों ग्रुप्स से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। हालांकि, सेमीफाइनल में भारत का पाकिस्तान की भिड़ंत संभव है। अगर भारत और पाकिस्तान अपने-अपने ग्रुप्स में शीर्ष दो स्थान पर रहते हैं तो सेमीफाइनल में टकराव का समीकरण बन सकता है।

भारत-पाकिस्तान कैसे भिड़ सकते हैं?

सेमीफाइनल में टकराव का गणित- सेमीफाइनल का फॉर्मेट क्रॉसओवर सिस्टम पर आधारित है-
• ग्रुप-1 की टॉप टीम बनाम ग्रुप-2 की दूसरे स्थान वाली टीम।
• ग्रुप-2 की टॉप टीम बनाम ग्रुप-1 की दूसरे स्थान वाली टीम।

भारत-पाकिस्तान सेमीफाइनल कैसे होगा? पहली स्थिति

• भारत अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहे।
• पाकिस्तान अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे।
• ऐसे में दोनों सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे।

दूसरी स्थिति

• पाकिस्तान अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहे।
•भारत अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे।
• तब भी सेमीफाइनल में भिड़ंत संभव है।

कब सेमीफाइनल नहीं होगा?

• अगर दोनों टीमें अपने-अपने ग्रुप में पहले स्थान पर खत्म करती हैं।
• अगर दोनों टीमें अपने-अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर खत्म करती हैं।
• ऐसी स्थिति में वे सेमीफाइनल में एक-दूसरे से नहीं खेलेंगी।

सेम पोजिशन में रहने पर खुलेगा फाइनल में भिड़ंत का रास्ता

अगर दोनों टीमें सुपर-8 में समान पोजिशन पर खत्म करती हैं (जैसे दोनों पहले या दोनों दूसरे) तो वे अलग-अलग सेमीफाइनल खेलेंगी। अगर दोनों अपनी-अपनी सेमीफाइनल जीत जाती हैं, तब फाइनल में भारत बनाम पाकिस्तान महामुकाबला हो सकता है और अगर ऐसा हुआ तो फैंस के लिए एंटरटेनमेंट का सुपर डोज होगा और स्टेडियम में एक इंच सीट नहीं मिलेगी। साथ ही फैंस टीवी से हटने का नाम नहीं लेंगे। 2007 वाला माहौल बनेगा और इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।

यानी क्रिकेट फैंस के लिए अभी भी उम्मीद बाकी है। अगर दोनों टीमें लगातार जीतती रहीं और सही समीकरण बना, तो टी20 विश्व कप 2026 में एक और हाई-वोल्टेज भारत-पाकिस्तान मुकाबला देखने को मिल सकता है।

श्रीलंका को हराकर फाइनल में भारत, दूसरे सेमीफाइनल में बांग्लादेश ने पाक को हराया

बैंगकॉक। महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 का पहला सेमीफाइनल भारत ए और श्रीलंका ए के बीच बैंगकॉक में खेला गया। इस मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को पांच विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में बांग्लादेश ए ने पाकिस्तान ए को 54 रनों से मात देकर फाइनल में एंट्री की। इस टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला रविवार को बैंगकॉक में ही खेला जाएगा।

भारत ने श्रीलंका को दी पटखनी: टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ए की टीम 19.4 ओवर में सिर्फ 118 रन बना सकी। जवाब में टीम इंडिया ने महज 13.3 ओवर में पांच विकेट पर 119 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस मैच में भारत की जीत की हीरो राधा यादव रहीं, जिन्होंने चार विकेट झटके। इसके बाद दिनेश वृंदा का बल्ला गरजा और उन्होंने 42 रनों की तूफानी पारी खेली।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को रौंदा: दूसरे सेमीफाइनल मैच में बांग्लादेश ए ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 110 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 16.4 ओवर में सिर्फ 56 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ बांग्लादेश ने फाइनल में एंट्री कर ली।

कर्मचारी की आवश्यकता
क्षिप्रा ढाबे पर अनुभवी वेटर हेल्पर किचन हैल्पर तंदूर वाला और सिक्युरिटी गार्ड की तुरंत आवश्यकता है
पता- हरिफाटक फ्लाईओवर ब्रिज इंदौर रोड उज्जैन, 761-0571808

तुरंत लोन
होम लोन, बिजनेस लोन, ट्रांसफर्म लोन, पर्सनल लोन, ऑफिस वर्क, फील्ड वर्क के लिए गर्ल्स वेतन 10500 रु.
पता: श्री फाइनेंस सर्विस, हार फूल की गली, फ्रीगंज, उज्जैन
मो. 9981248359

प्लाट बेचना है
गणेशपुरा, मक्सी रोड, संजोग गेस एजंसी के सामने 19'x55' और 15'x55' साइज के प्लाट बेचना है । प्रस्तावित फोरलेन से मात्र 100 फिट की दूरी पर। ब्रोकर बंधु कृपया क्षमा करे।
मो. 9131720147, 9424045696

आवश्यकता है
मार्केटिंग / सेल्समैन वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता
पेट्रोल खर्च अतिरिक्त दिया जाएगा
संपर्क मो.9575477077

आवश्यकता है
कारखाने में (उज्जैन)
पैकेजिंग कार्य हेतु महिलाओं एवं आदमियों की
संपर्क करें 9300405252

अवश्यकता है
पेन्ट बनाने वाले कारीगरों की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
मेमोरियल टेलर्स शहीद पार्क फ्रीगंज (उज्जैन)
मो. 9425094114

आवश्यकता
होटल हिमालया ग्रीन
खाना खजाना मक्खन वाला रेस्टोरेन्ट
देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
1- तवा रोटी बनाने वाले
2- वेटर
3- चायनीज एवं साऊथ इंडियन सेफ
10, ए विनय नगर देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 9575279117

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क 7773077762

रेंट पर देना/आवश्यकता
1- उज्जैन मेन रोड चिमनगंज मंडी के सामने 2400 स्क्वे. फीट का शोरूम रेंट पर देना है। ऑफिस, बैंक के लिए
2- साड़ी शोरूम पर सेल्सगर्ल व सेल्समेन की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 20000 रुपए
संपर्क 9826398272

कर्मचारियों की आवश्यकता है
इंदौर में रियल स्टेट कंपनी के ऑफिस में महिला एवं पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है। अनुभवी और फ्रेशर दोनों संपर्क करें, सेल्स एग्जीक्यूटिव एंड टेलीकॉलिंग
सुपर कॉरिडोर और विजयनगर इंदौर
मोबा. +91 89629 44070

वॉटर प्रुफिंग
करवाएं काफी कम रेट में
विजीट चार्ज 499/-
ईट का कॉवा वॉटर प्रूफिंग भी किया जाता है।
बदली के ड्रायवर की आवश्यकता हो तो संपर्क करें
9977140280

न्यूज कॉलम

पेमेंट के लिए लगाया फोन, युवक के साथ की मारपीट, जान से मारने की भी धमकी दी

इंदौर। इंदौर के तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में एक युवक को पेमेंट के लिए कॉल करना महंगा पड़ गया। कॉल करने के बाद कुछ लोग उसके घर पहुंच गए और उसके साथ मारपीट कर दी। युवक ने मामले की शिकायत थाने में की। तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक छोगालाल पिता गुलाब सिंह बघेल निवासी ग्राम रालामंडल की शिकायत पर सुशील पिता प्रकाश शिंदे और आरती निवासी हनुमान टेकरी असरावद खुर्द के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना शुक्रवार को फरियादी के घर के बाहर की है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि उसने ठेकेदार राजू शिंदे को पेमेंट के लिए कॉल किया था। मगर राजू के भाई ने कॉल पर बात की। इसके कुछ देर बाद मेरे घर के सामने सुशील और आरती दोनों आए और कहने लगे कि तुने कोई काम नहीं किया है तेरा कोई पेमेंट बाकी नहीं है। भईया को कॉल क्यों लगाता है। इसी बात को लेकर उन्होंने गाली-ग्लौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। सुशील ने डंडे से मारा, जिससे फरियादी के गर्दन के पास चोट आई। इस बीच फरियादी का बेटा बीच-बचाव करने आया तो सुशील और आरती ने उसके साथ भी गाली-गलौज कर मारपीट की, जिससे उसके सीने में चोट आई। यहां से जाते वक्त दोनों ने जान से मारने की भी धमकी दी। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिलॉन्ग में हत्या करना चाहती थी पत्नी 42 लाख का सोना लेकर प्रेमी संग भागी

इंदौर। इंदौर के वकील को पत्नी ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर शिलॉन्ग ट्रिप में जहर दे दिया। ट्रिप के दौरान पति को पहाड़ पर ले गई। पहाड़ से धक्का देकर मारने की कोशिश की। शिलॉन्ग ट्रिप से लौटकर घर से 42 तोला सोना (कीमत करीब 40 लाख) और कैश लेकर भाग गई। इंदौर के पीड़ित वकील भूपेंद्र ने खुडैल थाने में अपनी पत्नी नीलिमा और उसके बॉयफ्रेंड शुभम गुप्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पीड़ित के मुताबिक पत्नी ने जिसे भाई बताया था, वही उसका बॉयफ्रेंड था। पत्नी उससे चैटिंग करती थी। घर में बुलाकर रखती थी। सूचना है कि पुलिस ने शुभम गुप्ता को अरेस्ट कर लिया है। पीड़ित वकील भूपेंद्र के अनुसार, उनकी मुलाकात नीलिमा से एक मैट्रिमोनियल वेबसाइट के माध्यम से हुई थी। उस समय महिला ने खुद को तलाकशुदा बताया था। पहचान बढ़ने के बाद नवंबर 2024 में दोनों ने शादी कर ली थी। शादी के कुछ समय बाद नीलिमा ने शुभम गुप्ता को अपना भाई बताया। नीलिमा ने अपने पति को बताया था कि शुभम मौसा का बेटा है। भाई बताने पर वकील ने शुभम को अपने घर आने-जाने दिया। वकील की गैरमौजूदगी में भी शुभम आते-जाते रहता था। घर में रहता था और लगातार बातचीत करते थे। चैटिंग भी करते थे। वकील का आरोप है कि शादी के बाद पति-पत्नी शिलॉन्ग घूमने गए थे। वहां एक दिन पत्नी ने खाने में जहर मिला दिया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद पहाड़ी पर ले जाकर धक्का देने की कोशिश की, हालांकि वह किसी तरह बच गया।

दस्तावेजों की जांच के बाद अवैध कब्जा हटाने के आदेश

300 वर्ग फीट की मस्जिद निर्माण की अनुमति लेकिन तीस हजार वर्ग फीट में निर्मित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

एमवायएच और सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल के पास मस्जिद को लेकर तहसीलदार कोर्ट ने माना कि वर्ष 1985 में जिस मस्जिद को अनुमति दी गई थी, उसका क्षेत्रफल 300 वर्ग फीट था। बाद में करीब 30 हजार वर्ग फीट सरकारी जमीन पर अन्य निर्माण कर लिया गया।

तहसीलदार कमलेश कुशवाह ने आदेश में कहा कि अनसर्वेड रेसीडेंसी एरिया के ब्लॉक 11 और 12 में मस्जिद और मुसाफिरखाने के अलावा किया गया निर्माण अनधिकृत कब्जा है। मस्जिद की मूल संरचना को छोड़ बाउंड्रीवाल और अन्य अवैध निर्माण तीन दिन में स्वयं हटाएं और नहीं हटाए जाने पर आरआई और पटवारी को बेदखली कराने के निर्देश दिए हैं।

नजूल रिकॉर्ड में दर्ज जमीन- एसडीएम प्रदीप सोनी के मुताबिक जूनी इंदौर तहसील क्षेत्र के ब्लॉक नंबर 12 (नए सर्वे में ब्लॉक नंबर 38) में यह जमीन 0.70 एकड़ क्षेत्रफल की है। यह नजूल रिकॉर्ड में शासकीय भूमि के रूप में दर्ज है। तहसीलदार ने नगर निगम से इस संबंध में जानकारी ली तो पता चला कि 9 सितंबर 1985 को 300 वर्गफीट पर निर्माण की अनुमति दी गई थी।

सीआरपी लाइन शब्द जोड़ा

कोर्ट ने निगम, पटवारी रिपोर्ट व उपलब्ध दस्तावेजों की जांच कराई। इसमें सामने आया कि 9 सितंबर 1985 को दी गई अनुमति में मस्जिद का निर्माण 300 वर्ग फीट क्षेत्र में स्वीकृत था। गूगल सैटेलाइट इमेज से भी पुष्टि होती है कि प्रारंभिक निर्माण छोटा था।

कार पलटने से तीन घायल

इंदौर। पीथमपुर सेक्टर-1 थाना क्षेत्र के आयशर चौराहे पर तेज रफ्तार कार ने सड़क पार कर रहे सांड को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार में सवार तीन लोग घायल हो गए। चौराहे पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के समय वहीं से गुजर रहे सेक्टर एक थाने में पदस्थ आरक्षक ने आसपास के दुकानदारों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

अश्लील क्लिप भेजकर पैसे मांगे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में एक एडवोकेट से व्हाट्सऐप वीडियो कॉल के जरिए ठगी और ब्लैकमेलिंग का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। वीडियो कॉल के बाद आरोपी ने अश्लील क्लिप भेजकर पैसों की मांग की। मामले में पीड़ित एडवोकेट ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने दो अज्ञात मोबाइल नंबर धारकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एमआईजी थाना पुलिस के अनुसार, एडवोकेट राहुल की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ आईटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार को एक अनजान नंबर से व्हाट्सऐप पर वीडियो कॉल आया था। कॉल पर एक युवती की आवाज थी, जिसने खुद को किसी मामले में कानूनी सलाह लेने की बात कहते हुए उनसे बातचीत शुरू की। वीडियो कॉल के दौरान स्क्रीन पूरी तरह धुंधली थी और सामने वाला व्यक्ति दिखाई नहीं दे रहा था।

एसवीआईएमएस में प्रबंधोत्सव का समापन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस, इंदौर में आयोजित अंतर-महाविद्यालयीन सांस्कृतिक एवं खेल महोत्सव प्रबंधोत्सव 2026 का भव्य समापन समारोह उत्साह एवं गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस महोत्सव में इंदौर एवं आसपास के क्षेत्रों के 25 से अधिक महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ भाग लेकर प्रतियोगिताओं को यादगार बना दिया।

जय माता दी
उज्जैन में नाकोडा हिल्स कॉलोनी देवास रोड पर 20X60 पश्चिम दिशा का रजिस्ट्री करा हुआ पूर्ण वैध प्लाट खरीदने के लिए संपर्क करें। संपर्क करें
मो. 6262369656

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

KALIDAS MONTESSORI SENIOR SECONDARY SCHOOL
In Front of SBI Budhwariya, Ujjain (M.P.)
REQUIRED TEACHERS

Principal	Candidate should be post graduate with B.Ed./M.Ed., 5 years teaching experience in Senior classes (CBSE) and Must have excellent academic and supervision talent.
P.G.T	Hindi, Geography, History, Physics, Applied Maths. (Post Graduate in concerned stream with B.Ed.)
T.G.T.	Maths, Hindi, English, Social Science (Post Graduation/ Graduation with B.Ed.)
P.R.T.	English and Meths with B.Ed.
P.T.I.	(B.P.Ed. / Diploma in Physical Education / Trained
Librarian	B.Lib.
Painting	Master in Arts, B.Ed.

Proficiency in English is must. Teaching experience will be preferred for all the posts. Please apply in your own hand writing giving all the details of experience and education qualifications Apply Upto 28-02-2026
ADMISSIONS OPEN ENROLL NOW Class Nursery to XI

पुरुषों की शक्ति वर्धक दवाईयाँ मिलती है
(25 वर्षों से आपकी सेवा में)
भास्कर आयुर्वेदिक
32, बहादुरगंज, उज्जैन समय- सुबह 11 से 3 बजे तक शाम 6 से 9 बजे तक मो. 98263-71718

वीर हनुमान ज्योतिष दरबार
संकट मोचन के आशीर्वाद से हर काम होगा सफल
यहाँ हस्तरेखा जन्म पत्रिका देखकर जीवन के बारे में बताया जाता है
कारोबार में रुकावट | नौकरी में परेशानी | शादी में रुकावट
विदेश योग, पढ़ाई में रुकावट, पति-पत्नी में अनबन, संतान सुख, बनते-बनते काम बिगड़ना, ग्रह दोष, नज़र दोष, कालसर्प दोष घर में अशांति सभी कार्य विधि विधान से किया जाता है।
29 ए भवानीपुर कॉलोनी, गोल्डन स्कूल के पास अन्नपूर्णा रोड, इंदौर
सभी जगह से निराश एक बार अवश्य मिले
फिस - 200 रु/-
समयः सुबह 9:00 से शाम 6:00 तक
मो. 9724383998

कैलाश ॐ शिव शंकर यात्रा प्राइवेट लिमिटेड
7/1 पदेशीपुरा, मैन रोड, इंदौर
9302065100 - 9827072550 - 9589614200
एक धाम जगन्नाथपुरी, गंगासागर, कोलकाता यात्रा विवरण
यात्रा सुविधाएं
• दो समय भोजन, एक समय चाय नाश्ता
• टूर गाइड सुविधा
• आवास हेतु (Non AC) 4 बेड वाले रूम की सुविधा
• टेम्पो ट्रैवलर अथवा बस द्वारा भ्रमण
• आने जाने की स्लीपर ट्रेन टिकट
यात्रा प्रस्थान - 11, 25 मार्च 8,17,29 अप्रेल 2026
• प्रथम दिवस : इंदौर रेलवे स्टेशन से प्रस्थान पुरी हेतु दोपहर 3 बजे
• दूसरा दिन : पुरी आगमन, रात्रि विश्राम पुरी
• तीसरा दिन : समुद्र स्नान, जगन्नाथ मंदिर दर्शन सिंह द्वार एवं कोणार्क सूर्य मंदिर, भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर रात्रि विश्राम ट्रेन अथवा स्लीपर बस में
• चौथा दिन: कलकत्ता आगमन गंगासागर में सागर स्नान, कपिल मुनि मंदिर दर्शन रात्रि गंगासागर
• पांचवा दिन :कालीमाता मंदिर, विक्टोरिया मेमोरियल, हावड़ा ब्रिज
• छठा दिन :कलकत्ता से वापसी ट्रेन
इस यात्रा के अंत में जो यात्री नेपाल काठमांड बनारस यात्रा करना चाहेंगे उनके लिए 6000 रु प्रति सवारी अतिरिक्त
3 सी यात्रा (एसी होटल एवं गाड़ी सहित) किराया 22,500 रु प्रति सवारी
यात्रा शुल्क 15,500 प्रति सवारी

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य , भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

अवसर अवसर अवसर
श्रेयस मार्केटिंग
उज्जैन के साथ करें शुभ शुरूआत
EXCITING CAREER OPPORTUNITY
PART TIME / FULL TIME
आवश्यकता है
अनुभवी युवा/प्रोफेशनल्स (12वीं पास से एमबीए तक)
शास. / अशासकीय कर्मचारी बिजनेसमैन
गृहिणी/कामकाजी बुजुर्ग/पेंशनर जो अपनी आय/बॉनस में वृद्धि चाहते है
ROLES
Marketing Manager
Merketing Executive
Sales Executive
Team Leader
Telecaller
WALK - IN INTERVIEW
Call or drop message on WhatsApp for interview schedule
OFFICE : नवकार पैराडाइज, तरणताल के सामने, उज्जैन
संपर्क सूत्र 9673979711, 9179656511

स्थान परिवर्तन
नया स्थान : शॉप नं. 14 जगजीवन राम नगर, सोनी बिल्डिंग मटेरियल के पास, सोनी पेंट्स, एम.आई.जी. रोड, इंदौर
नवकार फार्मेसी मेडिकल शॉप
क्लिनिक : श्री गोपाल हड्डी रोग दवाखाना (हाड़ वैद्य) उज्जैन वाले
डॉ. एच.के. सिरोलिया
जोड़ एवं फ्रेक्चर | हड्डी रोग विशेषज्ञ
मिलने का समय प्रति मंगलवार और शुक्रवार समय : दोप. 1 से शाम 5 बजे तक
Mob. 7000813235, 9669110800

खुश खबर खुश खबर खुश खबर
उज्जैन व्यापार मेला
आइये और पाइये वर्ष 2026 की सबसे बेहतरीन डील
आर.टी.ओ. टैक्स पर 50% की छूट
इसके अलावा और भी अन्य लाभ प्राप्त करने के लिए आज ही अपनी मारुती सुजुकी कार मॉडल तय कर बुक करे, मेले का लाभ वाहन उपलब्ध होने पर ही दिया जायेगा, तो आज ही अपना वाहन बुक करे और मेले का लाभ प्राप्त करे।
युग कार्स (मारुति शो-रुम)
नागझिरी देवास रोड, उज्जैन
मोबाइल: 7389901262, 9755510100, 9752530200
मारुति ऑउटलेट उज्जैन तहसील
नागदा : नागदा बाईपास जावरा रोड 9009140508
तराना : तोतला मार्ग 9589090827
बड़नगर : रुनिजा रोड 9993566820
महिदपुर : घोंसला रोड, नारायण सिंह सोलंकी 9109107176
खाचरौद : पटेल नगर बड़नगर रोड 9993566910
घट्टिया : जगोटी रोड के पास, आगर रोड 8959600100
इंगोरिया : उज्जैन - नागदा रोड, इंगोरिया 9340294804

उज्जैन में पहली बार मालवा का नया स्वाद
नया व्यंजन
दाल टिकड़
कोयले की आंच पर सीके हुए
पार्सल सुविधा उपलब्ध
होटल सांई दरबार
A PURE VEGETARIAN RESTAURANT
22, बख्तार मार्ग, होटल सांई पैलेस के पास, फ्रीगंज, उज्जैन
फोन नं. 0734-4061888 मो. 9009866000

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapressind@gmail.com